नई दिल्ली
रविवार 15 मार्च 2026
चैत्र मास कृष्ण पक्ष,
एकादशी वर्ष : 29, अंक : 330
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 19

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

6 महीने बाद जेल से रिहा हुए सोनम वांगचुक

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। यह रिहाई उस समय हुई जब केंद्र सरकार ने वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को हटा दिया। मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए लिया गया है।

सरकार का कहना है कि यह फैसला लद्दाख में शांति और स्थिरता का माहौल बनाने के लिए लिया गया है। वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को हिरासत में लिया गया था। इससे ठीक दो दिन पहले लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर बड़े प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 45 से ज्यादा लोग घायल हुए थे, जिनमें 22 पुलिसकर्मी भी शामिल थे। हिंसा के बाद लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर वांगचुक को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

अब मैसेज से हट रहा है एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि वह अपने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग फीचर को बंद कर रहा है। यह अपडेट 8 मई, 2026 को लागू होगा। यानी, अब कंपनी चाहे तो आपके प्राइवेट मैसेज देख सकती है। कंपनी ने सबसे पहले दिसंबर 2023 में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन शुरू किया था, ताकि बातचीत सिर्फ आपके और दूसरे व्यक्ति के बीच ही रहे। अब, इस फीचर के हट जाने से, इंस्टाग्राम मैसेज से प्राइवेसी की वह अतिरिक्त सुरक्षा हट जाएगी। मेटा ने कहा है कि एन्क्रिप्शन खत्म होने से पहले आप अपनी मौजूदा चैट्स और मीडिया डाउनलोड कर सकते हैं। मेटा ने अभी तक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग में कटौती करने के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन इसका ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर बढ़ते दबाव से काफी हद तक संबंध होने की संभावना है। दुनिया भर के कानून बनाने वाले और रेगुलेटर, एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए फैलने वाले बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार जैसी चीजों को लेकर चिंतित हैं।

देश में पैनिक बुकिंग का आंकड़ा बढ़कर हुआ 88 लाख, केंद्र के पास पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, चिंता न करें लोग

एलपीजी सप्लाई सरकार के लिए चिंता का मुद्दा... केवल डिजिटल बुकिंग से ही मिलेगा सिलेंडर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

- 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर जल्द भारत पहुंचेंगे दो जहाज, पार की होर्मुज स्ट्रेट
- कमर्शियल उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन देने को गेल ने की बैठक, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश
- राज्य सरकारों ने की प्राथमिकता के आधार पर कमर्शियल सिलेंडरों के वितरण की शुरुआत
- दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में उद्योगों, होटल और रेस्तरां को एक महीने के लिए मिली बायोमास इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध को शनिवार को 15 दिन पूरे हो गए हैं। लेकिन हालात में फिलहाल जल्द सुधार की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। देश में एलपीजी सिलेंडर की पैनिक बुकिंग का आंकड़ा 75 लाख से बढ़कर 14 मार्च को 88 लाख तक पहुंच गया है। इन सबके बीच सरकार ने शनिवार को एक बार फिर से एलपीजी को चिंता का मुद्दा बताते हुए आम जनता को ये स्पष्ट किया है कि अभी तक इस संबंध में किसी भी जगह से गैस की कमी को कोई शिकायत या सूचना नहीं मिली है। इसलिए घबराहट में आकर बुकिंग (पैनिक) न करें।

केंद्र के पास तेल और गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, रिफाइनरियां 100% क्षमता के साथ काम कर रही हैं, रिटेल आउटलेट्स पर भी किसी चीज की कोई कमी नहीं है। ऐसे में तय समय सीमा के बाद सिलेंडर रिफिल कराने के लिए बुकिंग के लिए केवल डिजिटल माध्यमों (मोबाइल फोन, एसएमएस, व्हाट्सएप) का ही इस्तेमाल करें। किसी को भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर गैस की बुकिंग करने या डिलीवरी लेने की आवश्यकता नहीं है। हमारी तेल मार्केटिंग कंपनियां पहले की तरह ही आपके घरों तक सिलेंडर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिलेंडरों की उपलब्धता बनी हुई है, सभी को ये मिल भी रहे हैं। इसलिए सभी देशवासियों से पुनः ये अपील की जाती है कि वो डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर लाइन न लगाएं। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (मार्केटिंग-तेल रिफाइनरी) में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने राजधानी में मामले पर आयोजित की गई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में दी है।

गेल ने की बैठक, मिलेंगे पीएनजी कनेक्शन

उन्होंने कहा कि पूर्व में हमने बताया था कि जो कमर्शियल उपभोक्ता प्राकृतिक गैस की सप्लाई बाधित होने की वजह से दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। उन्हें पीएनजी कनेक्शन की तरफ मोड़ा जाए। अब इसे लेकर गेल (गैस अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) ने कई सारे सीजीडी ऑपरेटरों के साथ एक विस्तृत बैठक की है। जिसमें ऑपरेटरों को ये सलाह दी गई है कि जिन स्थानों पर कमर्शियल उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन दिए जा सकते हैं। वहां उन्हें तत्काल रूप से इन्हें मुहैया कराया जाए। इसके अलावा राज्य सरकारें प्राथमिकता के आधार पर ▶▶शेष पेज 5 पर

दिल्ली-एनसीआर में होगा बायोमास इस्तेमाल

सुजाता ने बताया कि प्राकृतिक गैस की जगह पर दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मौजूद उद्योगों, होटलों और रेस्तरां को अंतरिम कदम के तौर पर अस्थायी रूप से एक महीने के लिए बायोमास (जैव ईंधन जैसे लकड़ी, गोबर के कंडे) और रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल पैलेट्स (आरडीएफ जैसे नगरपालिका के ठोस कचरे, कागज, प्लास्टिक, औद्योगिक अपशिष्ट से बने ▶▶शेष पेज 5 पर

समय पूरा होने पर होगी बुकिंग

उन्होंने कहा कि कई माध्यमों, सूत्रों से हमें ये शिकायत मिल रही है कि सिलेंडर की बुकिंग नहीं हो रही है। मैं उन्हें बताना चाहूंगी कि सिलेंडर की दोबारा रिफिल के लिए बुकिंग करने के लिए शहरी इलाकों में न्यूनतम 25 दिन और ग्रामीण इलाकों में 45 दिन का समय निर्धारित किया गया है। अगर इस ▶▶शेष पेज 5 पर

16, 17 मार्च को एलपीजी संग पहुंचेंगे जहाज

प्रेस वार्ता में शिपिंग मंत्रालय के अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, फारस की खाड़ी में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। बीते 24 घंटे में इनसे जुड़ी किसी नकारात्मक घटना की कोई सूचना नहीं मिली है। 14 मार्च को मैंने बताया था कि होर्मुज के पश्चिम में फारस की खाड़ी में 24 भारतीय ध्वज वाले जहाज थे। जिनमें से 2 एलपीजी लिए हुए जहाज शिवालिक और नंदादेवी हैं। इन्होंने आज तड़के होर्मुज की खाड़ी पार कर ली है और अब ये भारत की तरफ बढ़ रहे हैं। दोनों जहाजों में कुल करीब 92 हजार 700 मीट्रिक टन एलपीजी है। इनका आगमन बंदरगाह मुंद्रा और कांडला होगा। अगले सप्ताह 16 और 17 मार्च को ये दोनों देश पहुंचेंगे। जिसके बाद अब फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले जहाजों की संख्या 22 रह जाती है, जिनमें 611 नाविक सवार हैं। मंत्रालय व शिपिंग महानिदेशक इन सभी जहाजों और नाविकों की स्थिति की बेहद करीब से निगरानी कर रहे हैं। जहाज के मालिकों, अन्य एजेंसियों और भारतीय मिशन के साथ मिलकर हम काम कर रहे हैं। डीजी शिपिंग के कंट्रोल ▶▶शेष पेज 5 पर

ये जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में दी है

भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, नागरिक-ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को न बनाया जाए निशाना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान युद्ध की वजह से दुनियाभर के देशों के लिए बाधित हो रही तेल और गैस की सप्लाई के बीच भारत के लिए शनिवार को अच्छी खबर आई है। जिसमें एक ओर एलपीजी लिए उसके दो जहाजों के सुरक्षित ढंग से होर्मुज की खाड़ी को पार करने की सूचना मिली है। करीब 48 घंटे बाद ये दोनों जहाज देश पहुंच जाएंगे। वहीं, दूसरी ओर जो बाकी बचे हुए 22 जहाज अभी क्षेत्र में स्टैंडबाय पर हैं। उनकी और उनमें सवार नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार सभी भागीदार देशों के साथ निकट संपर्क और समन्वय के माध्यम से जुड़ी हुई है। जिससे इनकी सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित की जा सकेगी। हमारे ये सभी प्रयास ऊर्जा सुरक्षा को बरकरार रखने के संदर्भ में किए जा रहे हैं। यह जानकारी 14 मार्च ▶▶शेष पेज 5 पर

- भारत से ईरान लौटे लावन जहाज के चालक दल के लोग
- बहुआयामी संपर्कों से जारी भारत की संवाद प्रक्रिया
- भारत के पास है उर्वरकों का पर्याप्त मात्रा से अधिक स्टॉक

संवाद-कूटनीति से निकले समाधान

युद्ध के बीच भारत सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति के जरिए शांति स्थापित करने के पक्ष में है। हाल के दिनों में हुई उच्च-स्तरीय वार्ताओं का निचोड़ यही है कि हम खाड़ी समेत समूचे पश्चिम-एशिया क्षेत्र में नागरिक और ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाए जाने के सख्त खिलाफ हैं। पूर्व में इन पर किए गए हमलों की कड़ी भारत ने कड़ी निंदा की है। इसके अलावा हमने सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का हर हाल में सम्मान किए जाने की भी पुरजोर अंदाज में ▶▶शेष पेज 5 पर

युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिका पर कसा तंज... बोले विदेश मंत्री अब्बास अराघची

पहले दिखाई धौंस, अब भारत समेत अन्य देशों से भीख मांगते हुए रूसी तेल खरीदने को कह रहा अमेरिका

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में युद्ध के दौर में अमेरिका और ईरान के बीच वाक युद्ध भी चरम पर जा पहुंचा है। जिसमें अब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक ताजा पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें वह अमेरिका को दोहरे मापदंड रखने वाला देश बताते हुए उस पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि कभी भारत समेत दुनिया के तमाम देशों को रूस से तेल खरीदने पर रोक लगाने वाला अमेरिका आज उनसे रूसी तेल खरीदने के लिए गिड़गिड़ा रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीद न करने के लिए भारतीय सामान पर बीते वक्त में कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया था।

तेल आपूर्ति की बड़ी समस्या उपजीः आईईए

यहां बता दें कि अमेरिका के संबंधित विभाग ने अपने एक हालिया आदेश में समुद्र में फंसे हुए रूस के तेल और पेट्रोलियम उत्पादों को खरीदने के लिए सभी देशों को 30 दिन की छूट प्रदान की है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रीव का कहना है कि अमेरिका की ये छूट 10 करोड़ बैरल कच्चे रूसी तेल पर लागू होगी। अमेरिका अपने इस कदम को पश्चिम-एशिया में युद्ध की वजह से अशांत और अस्थिर हुए ऊर्जा बाजारों में स्थिरता के संबंध में उठाया हुआ कदम बता रहा है। होर्मुज की खाड़ी के बंद होने की वजह से मौजूदा वक्त में पूरी दुनिया के सामने तेल-गैस का संकट गहराने की आशंका तेजी से बढ़ती जा रही है। खुद वैश्विक ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि युद्ध के चलते इतिहास में तेल आपूर्ति की सबसे बड़ी समस्या हो रही है।

ईरान के मंत्री की पोस्ट का सार

अब्बास अराघची की पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका ने महीनों तक भारत पर दबाव बनाकर रूस से तेल आयात बंद करवाया। जबकि अब ईरान के साथ दो सप्ताह से चल रहे युद्ध की वजह से व्हाइट हाउस ही है, जो भारत सहित पूरी दुनिया से रूस के कच्चे तेल को खरीदने की गुहार लगा रहा है। उन्होंने यूरोप के देशों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें लगा था कि ईरान के खिलाफ अवैध युद्ध का समर्थन करने से उसे रूस के खिलाफ अमेरिका का समर्थन मिल जाएगा। दयनीय। अराघची ने अपनी पोस्ट के साथ फाइनेंशियल टाइम्स का एक लेख का प्रकाशित लिंक भी साझा किया है। जिसमें इस मामले को लेकर जानकारी दी गई है।

अमेरिका के विरोध में यूक्रेन, ब्रिटेन, जर्मनी

वहीं, अमेरिका के रूसी तेल खरीदने के कदम का उसके सहयोगियों जैसे यूक्रेन, ब्रिटेन, जर्मनी ने विरोध किया है। इन देशों का कहना है कि प्रतिबंधों में दी जा रही ढील के बाद भी अमेरिका व अन्य सहयोगियों को रूस पर दबाव बनाए ▶▶शेष पेज 5 पर

जल जीवन मिशन में फंड चाहिए...तो राज्यों को माननी होगी 4 शर्तें

केंद्र ने जारी किए दिशा निर्देश, अनियमितताओं पर लगेगी लगाम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल आपूर्ति की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत राज्यों को मिलने वाली धनराशि के लिए नई शर्तें तय कर दी हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस योजना को वर्ष 2028 तक बढ़ाने के बाद अब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को फंड प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तों का पालन करना होगा। इन शर्तों के माध्यम से केंद्र सरकार का उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाना और अनियमितताओं पर नियंत्रण करना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्यों को दी जानकारी: इन नए नियमों की जानकारी राज्यों को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दी गई। बैठक की अध्यक्षता सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने की। इस बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग, ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग तथा पंचायती राज विभाग के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के क्रियान्वयन की रूपरेखा और ▶▶शेष पेज 5 पर

राज्यों को पूरी करनी होंगी ये चार शर्तें

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि जल जीवन मिशन 2.0 के तहत केंद्रीय निधि जारी करना अब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा निम्नलिखित चार अनिवार्य अनुपालनों पर निर्भर होगा।

1. एमओयू पर हस्ताक्षर– राज्यों को केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना होगा।
2. सुजल गांव आईडी का निर्माण– ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं की पूरी डिजिटल मैपिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक योजना के लिए विशिष्ट डिजिटल पहचान तैयार करनी होगी।
3. समय पर वित्तीय मिलान– योजनाओं से संबंधित वित्तीय लेन-देन का समयबद्ध मिलान करना अनिवार्य होगा।
4. राज्य संचालन एवं रखरखाव नीति की अधिसूचना– राज्यों को जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव की नीति अधिसूचित करनी होगी।

केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन चार शर्तों के पूरा होने के बाद ही राज्यों को जल जीवन मिशन 2.0 के तहत धनराशि जारी की जाएगी।

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
सौ वर्षीय प्लान!
एलआईसी का
जीवन उमंग
UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745
एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान
अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.
विशेषताएँ :
आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष
प्रमुख विशेषताएँ :
100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
पूरी प्रीमियम भुगतान अवधि में बोनस
अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
ऋण सुविधा
हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'
अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप digital
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever
IRDAI Regn No.: 512
धोखेधड़ी वाले फोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.
LIC/P1/2025-26/32/Hin

खबर संक्षेप

होटल में गर्लफ्रेंड की हत्या का आरोपी दबोचा

नई दिल्ली। लाहौरी गेट थाना क्षेत्र के होटल में युवती की हत्या का मामला सुलझ गया है। पुलिस ने मृतका के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शख्स का नाम शाहदरा निवासी अभिषेक तिवारी बताया गया है। पुलिस ने आरोपी को हरियाणा के चरखी दादरी से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर कबूला कि गर्लफ्रेंड सौम्या जायसवाल उस पर शादी का दबाव बना रही थी। डीसीपी नॉर्थ राजा बांठिया के मुताबिक बुधवार 11 मार्च की देर रात करीब 12:30 बजे पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक होटल प्रिंस के कर्मचारियों ने लाहौर गेट थाने को सूचना कि होटल ठहरा एक मेहमान बार-बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं दे रहा है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया, जहां खून से लथपथ सौम्या शव बिस्तर पर पड़ा था। आरोपी दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था और चांदनी चौक की एक दुकान में अकाउंटेंट के रूप में काम करता था। उसने पुलिस को बताया कि हत्या से पहले युवती से शारीरिक संबंध बनाये थे। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मौजपुर की रहने वाली युवती अपने माता-पिता, दादी और छोटी बहन के साथ रहती थी। आरोपी अभिषेक तिवारी लगभग दो साल पहले अपने एक मित्र के माध्यम से युवती से मिला था, जो युवती का भी मित्र था। इसके बाद तिवारी और युवती के बीच गहरी दोस्ती हो गई थी।

अशोक विहार में एटीएम में सेंध लगाने का प्रयास

नई दिल्ली। नॉर्थ वेस्ट जिले के अशोक विहार थाना इलाके में स्थित एक बैंक के एटीएम को तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया। पुलिस केस दर्ज कर एटीएम और आसपास लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर सुजीत कुमार की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। शनिवार को इसकी शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि सी-3, अशोक विहार फेज-वन स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया गया है। इसके बाद एसआई सुभाष अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी ने देखा कि एटीएम मशीन का कुछ हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त था और उसका कुछ हिस्सा जला हुआ भी था। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि चोरों ने गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन को काटकर उसमें रखी नकदी निकालने का प्रयास किया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी नकदी ले जाने में सफल हुए या नहीं। बैंक मैनेजर ने पुलिस को बताया कि एटीएम मशीन में अलग-अलग मूल्य के नोटों के रूप में करीब 4.81 लाख रुपये की नकदी मौजूद थी। मौके पर क्राइम और एफएसएल टीम ने भी पहुंचकर जांच पड़ताल की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 380, 427 और 34 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

ट्रक ने स्कूटी सवार तीन युवकों को मारी टक्कर एक की मौत

नई दिल्ली। मध्य जिले के आईपी एस्टेट थाना इलाके में आईटीओ के पास देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने करण (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल यश कपूर (20) और संदीप भाटिया (44) उपचाराधीन है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी ट्रक चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। जांच में पुलिस को पता चला कि संदीप व करण फरीदाबाद के रहने वाले हैं।

कपिल सांगवान गैंग का शूटर है लक्की

उजवा में मर्डर और बिजवासन में फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

द्वारका जिले के स्पेशल स्टाफ द्वारा गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के शूटर लकी उर्फ भवानी (26) को नांगल श्यालु, महेंद्रगढ़ हरियाणा से गिरफ्तार किया है। लकी ट्रायल से फरार चल रहा था। द्वारका कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी कर चुकी थी। लकी पहले भी दिल्ली के उजवा गांव में दिनदहाड़े हत्या और बिजवासन में रंगदारी के लिए की गई फायरिंग की एक घटना में शामिल रहा है। जेल से बाहर आने के बाद वह फिर से कपिल सांगवान के साथियों से मिलने लगा था।

पुलिस के अनुसार 11 मार्च को स्पेशल स्टाफ की टीम को जानकारी मिली कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू का शूटर लकी अपने साथी धर्मेंद्र राणा से मिलने के लिए अक्सर अंबाला जेल जाता रहता था। टीम ने इस जानकारी को और पुख्ता किया, जिससे पता चला कि आरोपी लकी इस समय अपने पैतृक गांव में रह रहा है। यह भी पता चला कि अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए हुए थे और वह फरार चल रहा था। वह एक बार फिर गैंग से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की फिराक में था। जानकारी के आधार पर टीम हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित निजामपुर पुलिस स्टेशन पहुंची। मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर लकी निवासी वीपीओ नांगल श्यालु, जिला महेंद्रगढ़, हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत के सामने पेश किया गया और उसे दोबारा जेल भेज दिया गया। वह पहले दिल्ली के तीन और राजस्थान के चार मामलों में शामिल रहा है।

एलजी संधू ने शिक्षा सचिव सहित अन्य अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लगातार दूसरे दिन शनिवार को लोक निवास में दिल्ली सरकार के आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा विभाग के सचिव संजीव आहूजा और शिक्षा निदेशक वेदिता रेड्डी के साथ समीक्षा बैठक अहम थी। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने एलजी के साथ दिल्ली की शिक्षा संबंधी अधिकांश जानकारियां साझी की। एलजी ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने व सुलभ शिक्षा को लेकर कई दिशा निर्देश दिए है। हालांकि पहली बैठक थी इसलिए अभी कई मुद्दों पर विचार अगली बैठक में होगा। इस अवसर पर एलजी ने कहा कि शिक्षा हमारे युवाओं को सशक्त बनाने और भविष्य को आकार देने का सबसे शक्तिशाली माध्यम बनी हुई है। इसलिए इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। सोमवार को कई अन्य विभागों के आला अधिकारियों के साथ एलजी की बैठक होनी तय है। बता दें कि 11 मार्च 2026 को नए एलजी के रूप में तरनजीत सिंह संधू ने शपथ ग्रहण की थी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से एलजी ने की शिष्टाचार भेंट, कहा मिला बहुमूल्य ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एलजी तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। पद संभालने के बाद एलजी संधू उपराष्ट्रपति से पहली बार मिलने गए थे। इस अवसर पर एलजी ने उपराष्ट्रपति को फूलों का गुच्छा भेंट किया। इस मौके की तस्वीरें एलजी ने अपने व्यक्तिगत अधिकृत सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर लोगों को जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि आज उपराष्ट्रपति भवन में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से भेंट की। उनके स्नेह और बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए मैं उनका आभारी हूँ। बता दें कि शुक्रवार को एलजी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने गए थे।

साउथ- ईस्ट जिले की पुलिस कमेटी की बैठक सांसद की अध्यक्षता में सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- बदरपुर थाने को अवार्ड मिलने पर बधाई, सदस्यों ने ट्रैफिक की समस्या उठाई

साउथ-ईस्ट जिले की डिस्ट्रिक्ट लेवल पुलिस कमेटी की बैठक शनिवार को दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बदरपुर थाने को सर्वश्रेष्ठ थाने के रूप में पुरस्कृत किए जाने पर बधाई दी गई। सदस्यों ने मुख्य रूप से यातायात संबंधी समस्याओं पर चर्चा की। पुलिस ने इस संबंध में कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में बिधूड़ी ने कमेटी की ओर से साउथ-ईस्ट जिले के डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी को और बदरपुर थाने के एस.एच.ओ. अशोक कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस के 200 से अधिक थानों में से साउथ-ईस्ट जिले के बदरपुर थाने को गृहमंत्री अमित शाह के हाथों सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का अवॉर्ड मिलना गौरव का विषय है। उन्होंने जिले के 9 अफसरों को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन, 29 अधिकारियों को असाधारण कार्य के लिए पुरस्कार और 18 अधिकारियों को कमिश्नर के कमेंडेशन रोल के लिए चुने जाने पर भी शुभकामनाएं दीं।

बैठक में विधायक रामसिंह, विधायक शिखा राय, साउथ-ईस्ट डीएम श्रवण बागड़िया, डीसीपी साउथ-ईस्ट डॉ. हेमंत तिवारी, नगर निगम सेंट्रल जोन डीसी शाश्वत सौरभ, डीसीपी यातायात संदीप गुप्ता और जिले के सभी एसीपी और एसएचओ उपस्थित थे। इसके अलावा निगम नगर निगम सेंट्रल जोन चेयरमैन योगिता सिंह, निगम पार्षद हेमचंद गोयल, निगम पार्षद राजपाल सिंह, निगम पार्षद मंजू राजू निर्मल, निगम पार्षद ममता और निगम पार्षद सरदार कुंवर अर्जुन सिंह मारवाह भी उपस्थित थे।

कमेटी सदस्यों ने जिले में नशीले पदार्थों के धंधे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को सराहा लेकिन इस संबंध में लगातार अभियान चलाने पर जोर दिया गया क्योंकि कहीं-कहीं यह धंधा अब भी चल रहा है।

'ओडिशा पर्व-2026' में शामिल हुईं रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- सांस्कृतिक उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में आयोजित 'ओडिशा पर्व-2026' में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और दिल्ली में रहने वाले उड़िया समुदाय को इस सांस्कृतिक उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को ओडिशा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और आस्था का जीवंत उत्सव बताते हुए इसकी सराहना की। यहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उड़िया समुदाय को अपना 'विस्तारित परिवार' बताया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है 'ओडिशा पर्व', यह सिर्फ उत्सव नहीं, अपनी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है। सीएम ने कहा कि दिल्ली में 15 लाख उड़िया परिवार सुरक्षित हैं और सरकार उनकी हर जरूरत का ख्याल रख रही है।

पूठ खुर्द में व्यक्ति की हत्या के आरोप में एक गिफ्तार

नई दिल्ली। आउटर नॉर्थ दिल्ली के बवाना इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान पूठ खुर्द के निवासी निखिल के रूप में हुई है। इसे रोहिणी सेक्टर 34 से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब आठ मार्च को बवाना थाने में पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना दी गयी थी कि सुल्तानपुर डबास रोड के पूठ खुर्द में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां एक स्कूटी के पास गोली लगने से घायल व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला, जिसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम भूपेंद्र पता चला था। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच निखिल तक पहुंची और उसे पकड़ा गया। उसने बताया कि घटना के दिन वह अपने साथियों देवराज, सुमित और एक नाबालिग के साथ पूठ खुर्द स्थित राज वाटिका गया था, जहां उसने और देवराज ने भूपेंद्र पर गोली चलाई थी। देवराज और भूपेंद्र के बीच बहुत समय पहले से विवाद चल रहा था तथा यह हमला बदला लेने के लिए किया गया था। पुलिस ने बताया कि नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है जबकि देवराज और सुमित फिलहाल फरार हैं। पुलिस के अनुसार देवराज एवं सुमित की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। निखिल ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और वह पूठ खुर्द गांव में पला-बढ़ा है। उसके पिता दिल्ली में दिहाड़ी मजदूरी करते हैं।

'संपत्ति कर बकायेदारों के खिलाफ निगम की सख्त कार्रवाई जारी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- कई वर्षों का लगभग 22 लाख रूपये का संपत्ति कर बकाया

दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर बकायेदारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को निगम के पश्चिमी जोन में एक व्यावसायिक भवन को सील किया। यह चार मंजिला परिसर नजफगढ़-नांगलोई मुख्य मार्ग पर बापरोला में स्थित है और इसे कई वर्षों से जमा बकाया संपत्ति कर का भुगतान न किए जाने के कारण सील किया गया। पश्चिमी जोन में संयुक्त कर निर्धारक एवं समाहर्ता, रंजन कुमार ने बताया कि संबंधित संपत्ति पर पिछले कई वर्षों का लगभग 22 लाख रूपये का संपत्ति कर बकाया है। निगम प्रशासन ने बताया कि इस संबंध में संपत्ति मालिक को कई बार सूचित करने के बाद भी करदाता ने संपत्ति कर अदा नहीं किया। इसके बाद विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया को पूरा करते हुए संपत्ति को सील कर दिया है। दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर नियमों के सख्त अनुपालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए सभी करदाताओं से अपील की है कि वे समय रहते और सही तरीके से अपने बकाया का निपटान करें।

गैस की कमी से बेरोजगार हुए लाखों गिग वर्कर्स, रेखा सरकार करे वित्तीय सहायता: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि कुकिंग गैस की कमी के कारण लाखों गिग वर्कर्स बेरोजगार हुए है। इस अप्रत्याशित संकट से उबरने के लिए भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को चाहिए कि वह तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान कर इन्हें राहत प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न होने वाले इस संकट का पूर्वानुमान लगाने में मोदी सरकार की घोर विफल रही है।

जिसके चलते खाना पकाने की गैस की अचानक कमी ने लाखों श्रमिकों को बेरोजगार कर दिया है, जिनमें गिग वर्कर, रसोइया, वेटर और खाद्य व्यवसाय से जुड़े अन्य कर्मचारी शामिल हैं। यादव ने कहा कि गिग वर्कर्स शहर के अनौपचारिक कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनमें से कई परिवहन, डिलीवरी और ई-कॉमर्स सेवाओं में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार को स्थिति सामान्य होने तक इन बेरोजगार गिग वर्कफोर्स को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए, हालांकि जल्द ही स्थिति में जल्द सुधार की कोई संभावना नहीं दिखती। यादव ने कहा कि दिल्ली में एलपीजी की कमी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। सीमित संसाधनों वाले गरीब परिवार कालाबाजारी के कारण खाना पकाने की गैस नहीं खरीद पा रहे हैं, जिसकी कीमत 5000 रुपये प्रति सिलेंडर से अधिक है।

महिला से छेड़छाड़ के आरोप में बाइक राइडर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रोहिणी जिले के केएन काटजू मार्ग थाना इलाके में एक महिला ने एप आधारित बाइक राइडर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सचिन (34) के रूप में हुई है। वह पिछले एक साल से कंपनी ऐप राइडर के तौर पर काम कर रहा है। डीसीपी शशांक जायसवाल ने बताया कि शनिवार को एक महिला ने थाने में शिकायत दी। शिकायत में उसने गत 12 मार्च को एक कंपनी ऐप बाइक राइडर द्वारा यौन उत्पीड़न और धमकी देने का आरोप लगाया। महिला ने पुलिस को बताया कि दोपहर करीब 1:48 बजे उसने अपने घर से एक राइड (दोपहिया वाहन) एमपी ब्लॉक मार्केट, पीतमपुरा जाने के लिए बुक की थी। वह बाइक पर पीछे बैठकर जा रही थी। जैसे ही वह डिवाइडिंग रोड केएनके मार्ग पर पहुंची, तभी राइडर ने उसके साथ बदतमीजी करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर पीड़िता को धमकी दी गई। इसके बाद राइडर उसे एफयू ब्लॉक पीतमपुरा में छोड़कर चला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पुलिस को पता चला कि सचिन पर दहेज हत्या का मामला भी दर्ज है।

तरुण की हत्या के विरोध में आज होगी विशाल आक्रोश सभा, परिवार द्वारा सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली। उत्तम नगर में तरुण खटीक की निर्मम हत्या के विरोध में सर्व हिन्दू समाज ने रविवार को उत्तम नगर में एक विशाल आक्रोश सभा आयोजित करने का आह्वान किया है। इस संबंध में शनिवार को सर्व हिन्दू समाज दिल्ली ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता में मृतक तरूण की मां लक्ष्मी देवी, पिता मेमराज, चाचा रमेश कुमार और दादा मानसिंह के अलावा खटीक समुदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार अवधेश कुमार आदि मौजूद थे। इस मौके पर तरूण के परिजनों ने एक स्वर में मांग की है कि इस जघन्य हत्याकांड की जांच एसआईटी, क्राइम ब्रांच या सीबीआई से कराई जाए। उन्होंने मांग की कि जिन 30-40 लोगों ने मिलकर तरुण खटीक कह नृशंस हत्या की है उन सभी को फांसी पर लटकाया जाना चाहिए। परिवार ने पुलिस की कार्रवाई का लेकर भी सवाल उठाए है। इस अवसर पर सर्व हिन्दू समाज ने कहा कि पुलिस को इस जघन्य हत्याकांड से उपजे जनमानस के दोष को भी समझना चाहिए।

लूट और गोलीबारी के मामलों में वांछित युवक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने लूट और गोलीबारी के कई मामलों में वांछित 22 वर्षीय एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की गई। आरोपी का नाम जहांगीरपुरी निवासी ध्रुव उर्फ राज उर्फ तूफान बताया गया है। इसे उत्तरी दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। वह अलग-अलग थानों में दर्ज लूट और गोलीबारी के चार मामलों में वांछित था।

पुलिस के अनुसार यह गिरफ्तारी 13 मार्च को तब हुई जब एक सूचना के बाद रेड की गई। पता चला था कि ध्रुव अपने साथियों से मिलने के लिए गोल्फ कोर्स रोड पर भलस्वा डेयरी झील के पास आएगा। पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और 7.65 एमएम कैलिबर के दो कारतूस बरामद हुये। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में ध्रुव ने खुलासा किया कि वह एसडी ग्रुप के नाम से जाने जाने वाले युवा अपराधियों और किशोरों के एक ग्रुप से जुड़ा हुआ था, जो जहांगीरपुरी और भलस्वा डेयरी क्षेत्रों में सक्रिय है। उसने दीपक और सलमान समेत गिरोह के अन्य बदमाशों से अपने संबंधों का भी खुलासा किया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **बिजुमन थॉमस,** निदेशक, स्पेक्ट्रल इंडिया मीडिया मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय **पताः** ए–5, मधु विहार, हसनपुर डिपो के पास, पटपड़गंज, दिल्ली, ने **Case No. 719 & 720/2020, U/s 138 NI Act थानाः करोल बाग, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बिजुमन थॉमस,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बिजुमन थॉमस,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case No. 719 & 720/2020, U/s 138 NI Act थानाः करोल बाग, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **बिजुमन थॉमस,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उर्वी गुप्ता
जेएमएफसी (एनआई अधिनियम–01)
कमरा नंबर 201, सीबीए–II
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3219/CD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद तहसीन पुत्र** मोहम्मद कासिम, **निवासः** पॉकेट-4, सेक्टर-34, रोहिणी, दिल्ली ने **FIR No. 635/24 U/s 304(2)/317(2) भारतीय न्याय संहिता, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद तहसीन** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद तहसीन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 635/24 U/s 304(2)/317(2) भारतीय न्याय संहिता, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद तहसीन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
भारती बेनीवाल
जेएमएफसी-05 (उत्तर), कमरा नं. 114
पहला तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3242/ON/2026
(Court Notice)

सरकार ने लिया संज्ञान, पेंशन जारी करने का दिया आश्वासन

खबर प्रकाशित होने पर 100 प्रतिशत दिव्यांग का बना आधार कार्ड

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हरिभूमि 3

100 प्रतिशत दिव्यांग को पेंशन से वंचित कर रहा सरकारी सिस्टम

दया राम ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुँचाने के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। एक 100 प्रतिशत दिव्यांग युवा व्यक्ति को केवल आधार कार्ड न बन पाने के कारण पेंशन जैसी बुनियादी सहायता से वंचित रहना पड़ रहा है। आधार बनवाने के लिए उसके पिता श्याम लाल लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब

- दिल्ली में आधार बनवाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा पिता

या लेकिन मंत्री रविन्द्र इन्द्राज से मिलने के बाद आधार कार्ड की प्रक्रिया शुरू हुई लेकिन 9 माह

पत्रकारिता की ताकत एक बार फिर सामने आई है। 'हरिभूमि समाचार पत्र में 6 मार्च 2026 को "100 प्रतिशत दिव्यांग को पेंशन से वंचित कर रहा सरकारी सिस्टम" शीर्षक से प्रकाशित खबर के बाद दिल्ली सरकार ने मामले का संज्ञान लिया', जिसके परिणामस्वरूप लंबे समय से आधार कार्ड बनवाने के लिए भटक रहे 100 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति का 'आधार कार्ड बनवा दिया गया है'। दिव्यांग के पिताजी 'श्यामलाल' ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग सक्रिय हुआ और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए दिव्यांगजन का 'आधार कार्ड तैयार कर दिया गया'। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड न होने के कारण उनके बेटे को मिलने वाली 'दिव्यांग पेंशन लंबे समय से रुकी हुई थी', जिससे परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

दिव्यांग जन के पिताजी श्यामलाल ने बताया कि दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग ने उन्हें आश्वासन दिया है कि आने वाले कुछ दिनों में रुकी हुई पेंशन भी जारी कर दी जाएगी। इससे परिवार को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। परिवार ने इस मामले में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज और प्रशासन के संज्ञान लेने पर संतोष व्यक्त किया है। साथ ही यह मामला एक बार फिर यह दर्शाता है कि 'मीडिया के माध्यम से उठाए गए जनहित के मुद्दे प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर देते हैं' और जरूरतमंद लोगों को उनका अधिकार दिलाने में मदद मिलती है।

खबर संक्षेप

खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें : पूसा

नई दिल्ली। खड़ी फसलों तथा सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। सिंचाई ऐसे समय पर करें जब हवा शांत हो अन्यथा पौधे गिरने की संभावना रहती है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) के कृषि भौतिकी संभाग में नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ एवं उनकी सलाहकार समिति के कृषि वैज्ञानिकों ने साप्ताहिक मौसम के आधार पर यह सलाह जारी की है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्ण रूप से पके तोरिया या सरसों की फसल को अति शीघ्र काट दें। 75-80 प्रतिशत फली का रंग भूरा होना ही फसल पकने के लक्षण हैं। फलियों के अधिक पकने की स्थिति में दाने झड़ने की संभावना होती है। अधिक समय तक कटे फसलों को सुखने के लिए खेत पर रखने से चितकबरा बग से नुकसान होता है अतः वे जल्द से जल्द गहाई करें। गहाई के बाद फसल अवशेषों को नष्ट कर दें, इससे कीट की संख्या को कम करने में मदद मिलती है।

शाहदरा नॉर्थ जोन में प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयां सील

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'डस्ट-फ्री दिल्ली अभियान' के तहत दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में शाहदरा नॉर्थ जोन में पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाली तीन प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को सील कर दिया गया है। निगम प्रशासन ने अपने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि 'प्रदूषण पर नियंत्रण और दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए ऐसे अवैध एवं प्रदूषण फैलाने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग में विकास कार्यों का किया उद्घाटन

बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारा लक्ष्य : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक क्षेत्र में सड़क, ड्रेनेज, यातायात और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद मीडिया का यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली के हर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस काम से बरसात के समय जलभराव की समस्या कम होगी और सड़कें व आसपास का बुनियादी ढांचा भी मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय निवासियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

'शालीमार चौक पर यातायात व्यवस्था को बनाया जा रहा है बेहतर'

मुख्यमंत्री ने शालीमार चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए स्लिप रोड के निर्माण और आरयूबी के आसपास यू-टर्न विकसित करने के कार्य की भी शुरुआत की। इस पहल से क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा और स्थानीय निवासियों तथा यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सहीपुर गांव चौपाल में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन भी किया। यह केंद्र क्षेत्र के निवासियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाएगा। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर मार्ग और के. एल. बग्गा मार्ग पर मौजूदा स्टॉर्म वाटर ड्रेन के रीमॉडलिंग कार्य का भी उद्घाटन किया।

सड़क चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण

इन परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग के सिंगलपुर लेबर चौक पर चल रहे सड़क चौड़ीकरण और ड्रेनेज सुधार कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ सुदृढ़ ड्रेनेज व्यवस्था का निर्माण बेहद आवश्यक है ताकि क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थायी समाधान मिल सके।

सीएम ने जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

मुख्यमंत्री ने हैदरपुर मेन रोड पर (बस स्टैंड से डीए ब्लॉक, शालीमार बाग तक) वर्षा जल निकासी नालों का सुधार एवं पुनर्निर्माण कार्य का भी उद्घाटन किया। यह काम न्यू मास्टर ड्रेन प्लान 2025 के तहत किया जा रहा है, जिसमें आरसीसी ड्रेन बनाकर इलाके की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, जल निकासी व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े कई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि रोड नंबर 319, आरयूबी शालीमार बाग, चौधरी मेहर चंद मार्ग, रोड नंबर 320 और स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती मार्ग पर भी ड्रेनेज सुधार कार्य शुरू किए गए।

खिलाड़ियों के भविष्य को मजबूत बनाएगा 'दिल्ली खेल महाकुंभ'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- वॉलीबॉल प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले जनकपुरी में हुआ आयोजित

दिल्ली खेल महाकुंभ केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि दिल्ली के खिलाड़ियों के भविष्य को मजबूत बनाने की दिल्ली सरकार की एक बड़ी योजना है। दिल्ली के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली खेल महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले के आयोजन पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान आयोजित इस खेल महाकुंभ में 23 हजार से अधिक खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में भाग लेने का अवसर मिला।

इस प्रकार की पहल दिल्ली के युवाओं को सशक्त बनाती हैं और दिल्ली में खेल संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। जानकारी के अनुसार शनिवार को जनकपुरी के एसकेवी - ए ब्लॉक विद्यालय में यह आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने ग्रैंड फिनाले में पहुंचे महिला एवं पुरुष वर्ग के सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी। शिक्षा मंत्री सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ 2026 के अंतर्गत आयोजित वॉलीबॉल फाइनल ने हमारे युवा खिलाड़ियों के अद्भुत समर्पण, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक की भावना को प्रदर्शित किया है। कोर्ट पर टीमों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखना बेहद प्रेरणादायक है। यह हमें याद दिलाता है कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, दृढ़ता और एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। खेल मंत्री ने कहा कि दिल्ली में इस खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि दिल्ली के खिलाड़ियों को भविष्य में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार कालक्ष्य है कि आने वाले समय में दिल्ली के खिलाड़ी नेशनल गेम्स, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीत करभारत और दिल्ली का नाम रोशन करे।

भाजपा सरकार ने सोनम वांगचुक को बिना सबूत जेल में रखा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था। उनको बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि जेल में बिताए उनके महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत क्षति थे, बल्कि राष्ट्र के लिए भी क्षति थे। इस घोर तानाशाही का जनता के बीच पर्दाफाश होना चाहिए और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिल्ली में फर्जी शराब घोटाले का षड्यंत्र रचकर आम आदमी पार्टी की टॉप लीडरशिप को महीनों जेल में रखा गया था। वहीं, दूसरी तरफ आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज से करीब 6 महीने यानी करीब 170 दिन पहले लद्दाख के एक बहुत मशहूर वैज्ञानिक को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत यह कहकर अरेस्ट कर लिया था कि वे देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

एनडीएमसी ने किया चाणक्यपुरी में शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने स्पीक मेके और एसआरएफ फाउंडेशन के सहयोग से, आज नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित नेहरू पार्क में "म्यूजिक इन द पार्क" श्रृंखला के तहत एक शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया। इस शास्त्रीय संगीत संध्या की शुरुआत संजय सुब्रह्मण्यम (कर्नाटक गायन) ने की, जिनके साथ एस. वरदराजन (वायलिन) और नेवेली वेंकटेश (मृदंगम) ने संगत की, इसके बाद डॉ. एन. राजम (हिंदुस्तानी वायलिन) ने रागिनी शंकर (वायलिन) और अभिषेक मिश्रा (तबला) के साथ अपनी प्रस्तुति दी। एनडीएमसी प्रशासन ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से आए हजारों दर्शक हिंदुस्तानी गायन और सितार वादन के इन दिग्गज कलाकारों की अद्भुत प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हो गए। हजारों शास्त्रीय संगीत प्रेमियों जिनमें राजनयिक, सरकार और कॉर्पोरेट क्षेत्रों के उच्च अधिकारी, विभिन्न संस्थानों के छात्र, पार्क में आने वाले लोग और अन्य व्यक्तियों ने इस संगीत समारोह का आनंद लिया और इन प्रख्यात शास्त्रीय संगीत कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धुनों/रागों में खो गए।

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सैंट्रल में दर्ज एक 17,42,000 रुपए की ठगी के मामले में थाना की टीम ने

कार्रवाई करते हुए 13 मार्च को जसदीप सिंह सोढ़ी निवासी बाबा फरीद नगर गाव कुरुक्षेत्र व मोहम्मद मजीद निवासी गांव सिब्बा जम्मू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फरीदाबाद निवासी एक महिला ने साइबर थाना में दी शिकायत में बताया निवेश से संबंधित जानकारी सर्च कर रही थी।

निट्रा कैंपस व चैंबर ऑफ कॉमर्स के बीच हुआ करार

गाजियाबाद। निट्रा टेक्निकल कैंपस ने भारत के $283 बिलियन वाले सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की

शीर्ष व्यापारिक संस्था और चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता डॉ. उपमित सिंह डॉ. एम.एस. परमार (महानिदेशक, निट्रा) और डॉ. बी.के. शर्मा (निदेशक, निट्रा टेक्निकल कैंपस) के बीच औपचारिक रूप से किया गया।

युवक ने चौथी मंजिल से कूदकर की खुदकुशी

गुरुग्राम। सदर थाना एरिया के सेक्टर-38 स्थित एक इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर एक युवक

ने खुदकुशी कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और एफएसएल व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। समाचार लिखे जाने तक खुदकुशी करने की वजह का पता नहीं चल सका है। जानकारी अनुसार, मध्य प्रदेश के पन्ना निवासी प्रमोद कुमार (20) अपने भाई के साथ गुडग़ांव के सेक्टर-38 स्थित एक इमारत में सफाई का काम करता था। वह उसी भवन की छत पर बने कमरे में रहता था। वहीं प्रमोद कुमार एक रेहड़ी पर भी काम करता था।

भारत की जनगणना 2027 की कार्यवाही को गति देने के लिए नगर आयुक्त ने की बैठक, मकानों की गणना से होगी शुरुआत

जनगणना निदेशालय लखनऊ से आई विशेषज्ञों की टीम ने निगम अधिकारियों को दिया प्रस्तुतीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भारत की जनगणना 2027 संबंधित कार्यों को गति देने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में बैठक बुलाई। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव नगर जनगणना अधिकारी जोनल प्रभारी चार्ज अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे। जनगणना निदेशालय लखनऊ से विशेषज्ञों की टीम ने बैठक में उपस्थित सभी को प्रशिक्षण दिया।

प्रथम चरण में प्रारंभ होने वाले मकान की गणना संबंधित प्रलस्तुतीकरण भी दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि जनगणना निदेशालय से विशेषज्ञों की टीम ने भारत की जनगणना 2027 संबंधित बिंदुओं पर गहनता से जानकारी दी गई । जिसमें संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार राय, उपनिदेशक अभिमन्यु सिंह, सहायक निदेशक अरुण सिंह ने आवश्यक प्रस्तुतीकरण भी दिया गया प्रथम

चरण में प्रारंभ होने वाले मकान की गणना की कार्यवाही के बारे में बताया गया जिसमें मकान सूचीकरण ब्लॉक का गठन किया जाना है । बताया गया, 7 मई 2026 से मकान की स्व गणना की कार्यवाही प्रारंभ होगी जो कि 21 मई तक रहेगी, 22 मई से 20 जून 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा, बैठक में बताया गया है 1 नागरिक मकान सूचीकरण हेतु स्व गणना सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं, प्रभारी जनगणना का चार्ज डॉक्टर अनुज उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी को दिया गया है ।

विस्तार से की गई चर्चा

अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया बैठक में जनगणना अधिनियम 1948 के अंतर्गत प्रगणकों की नियुक्ति, शक्तियों एवं दायित्वों से संबंधित प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी गई। जनगणना 2027 के प्रचार प्रसार की व्यवस्था के लिए भी कार्य योजना बनाई जा रही है बैठक में विस्तार से चर्चा की गई, गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत जन मानस को जागरूक करने हेतु बैनर, पोस्टर, होर्डिंग, सोशल मीडिया का सहयोग लेकर जन जन को जागरूक किया जाएगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण हेतु ट्रेनिंग ली गई, अरविंद कुमार राय संयुक्त निदेशक जनगणना निदेशालय द्वारा उपस्थित जनों के मकान सूचीकरण हेतु संशय को भी दूर किया गया मकान सूचीकरण ब्लॉक के गठन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया जो कि समय-समय पर जारी रहेगा उपस्थित जनों को बताया गया।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा- स्वच्छ, विकसित और सुंदर फरीदाबाद ही होगा उत्कृष्ट फरीदाबाद

फूलों की खुशबू से महका फरीदाबाद फ्लावर फेस्टिवल ने दिया हरियाली और सुंदरता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित भव्य फरीदाबाद फ्लावर फेस्टिवल में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने नगर निगम की प्रथम नागरिक मेयर श्रीमती प्रवीण बत्रा जोशी को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए सभी नागरिकों का हार्दिक स्वागत किया। यह कार्यक्रम टाउन पार्क सेक्टर-12 में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रकृति और फूलों की इस सुंदर प्रदर्शनी का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि देशभर में वसंत ऋतु का आगमन हो चुका है। वसंत रंगों, खुशियों और आनंद का मौसम है, इसलिए इसे ऋतुराज कहा जाता है। जब प्रकृति स्वयं रंगों और खुशबुओं से भर जाती है, पेड़-पौधों पर नई कोपलें आती हैं और फूल खिलने लगते हैं, ऐसे समय में फ्लावर फेस्टिवल जैसा आयोजन शहर को नई ऊर्जा और सकारात्मकता देता है।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि यह आयोजन फरीदाबाद को और अधिक सुंदर बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए समय-समय पर पौधारोपण, लघु वन का निर्माण, आधारभूत संरचना का विकास, पुल, सडक़, प्रकाश व्यवस्था और सजावट जैसे अनेक कार्य किए जाते हैं। लेकिन कभी-कभी प्रकृति भी हमें अवसर देती है और उस अवसर का लाभ उठाना भी हमारा दायित्व होता है। इसी भावना के साथ इस पुष्प महोत्सव का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज किसी भी शहर की पहचान केवल विकास से नहीं बल्कि उसकी सौंदर्यात्मक पहचान से भी होती है। शहर केवल विकसित ही नहीं बल्कि सुंदर भी दिखाई देना चाहिए। आज तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण शहर कंक्रीट के जंगल में बदलते जा रहे हैं, लेकिन इस कंक्रीट के बीच

प्राकृतिक सुंदरता का होना भी उतना ही आवश्यक है। फूल और पौधे केवल सजावट नहीं होते, बल्कि वे पूरे वातावरण को जीवंत और सकारात्मक बना देते हैं। विपुल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वच्छता के साथ-साथ देश की सुंदरता और आधारभूत संरचना के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में देशभर में सरकारी भवनों और सार्वजनिक स्थलों का पुनर्विकास हुआ है, रेलवे स्टेशनों को अधिक सुंदर बनाया जा रहा है तथा गांवों तक सड़कों की बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई है। इन सभी प्रयासों से देश की समग्र सुंदरता और पहचान में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि जब देश की सुंदरता बढ़ रही है तो फरीदाबाद की सौंदर्यात्मक पहचान को आगे बढ़ाना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए समाज की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने घरों और आसपास पौधे और फूल लगाने की आदत विकसित करें। यह न केवल पर्यावरण को बेहतर बनाता है बल्कि मन को भी शांति और संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में लोग मोबाइल, इंटरनेट और काम की भागदौड़ में उलझे रहते हैं, लेकिन यदि हम थोड़ा समय निकालकर पौधों और फूलों की देखभाल करें तो यह एक सकारात्मक और सुकून देने वाली आदत बन सकती है। प्रकृति के बीच समय बिताना, पार्क में टहलना और फूलों की सुंदरता को महसूस करना मन के लिए एक तरह की प्राकृतिक उपचार प्रक्रिया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। आज देशभर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें एक पेड़ मां के नाम अभियान भी शामिल है।

अवैध हथियार रखने के मामले में

क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने मारपीट के एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बीते 22-23 फरवरी की रात थाना मुजेसर क्षेत्र के अंतर्गत शिव कॉलोनी में हुए लड़ाई-झगड़े के मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने सलाम उर्फ लंगड़ी निवासी मछली मार्केट शिवाजी नगर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार ईशांत निवासी सेक्टर-23, फरीदाबाद ने थाना मुजेसर में दी अपनी शिकायत में बताया कि 22-23 फरवरी की रात वह अपने दोस्तों के साथ एक पार्टी में गया था। पार्टी से वापस आने के बाद वह अपने दोस्तों के साथ शिव कॉलोनी में ही रुक गया था। उसके दोस्त मोहित और हृदय कुछ सामान लेने के लिए गए थे। रास्ते में उनके दोस्तों की संदीप उर्फ भोला से मोटरसाइकिल चलने को लेकर कहासुनी हो गई। इस बात पर संदीप उर्फ भोला अपने अन्य साथियों के साथ शिव कॉलोनी में आया और शिकायतकर्ता व उसके दोस्तों पर हमला कर दिया। जिस संबंध में थाना मुजेसर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि 22-23 फरवरी को आरोपी संदीप उर्फ भोला की मोहित और हृदय के साथ मोटरसाइकिल से कट मारने को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद संदीप अपने साथी सलाम व अन्य को लेकर शिव कॉलोनी में शिकायतकर्ता और उसके दोस्तों के पास पहुंचा और उनके साथ मारपीट की। आरोपी से झगड़े में प्रयोग डंडा बरामद किया गया है। जिसको माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। घटनाक्रम में आरोपी संदीप उर्फ भोला, राजेश व विष्णु को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

आरोपी ने अपना जुर्म कबूला

कुल्हाड़ी से मां की हत्या करने वाला बेटा गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

मासूरी थाना क्षेत्र में मार्च को हुई महिला की हत्या का खुलासा पुलिस ने रविवार को कर दिया। पुलिस ने हगग5 के आरोप में महिला के पुत्र को ही गिरफ्तार किया है। युवक ने अपनी की हत्या केवल इस लिए कर दी ,वह 12सौ रुपए को लेकर हुए विवाद में कुल्हाड़ी लेकर हमला करने जा रहा था, माँ ने उसे वहां जाने से रोका। जिससे बेटे ने गुस्से में आकर हत्या कर दी। घटना में प्रयुक्त आला कत्ल कुल्हाडी बरामद की गई है

खडकू पुत्र पूरन निवासी ग्राम भूडगढी ने एक तहरीर लिखित दी गई कि डब्बू व उसके भाई जसवीर उर्फ छंग्गा उसके द्वारा उधार के पैसे मांगने पर अनिल के साथ गाली गलौज कर मारपीट की । शोर सुनकर बचाने आई उसकी की पत्नी लीला के साथ भी मारपीट की। जिससे उसकी मौत हो गयी। घटना स्थल के आसपास के लोगों

से व गोपनीय रूप से जानकारी करने पर नामित अभियुक्तों की संलिप्ता संदिग्ध प्रतीत होने पर घटना का सही अनावरण हेतु थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा संकलित साक्ष्य, मैनुअल इनपुट के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में नामित डब्बू व उसके भाई छंग्गा उर्फ जसवीर की घटना कारित करने में कोई संलिप्ता नहीं पायी गयी बल्कि मृतिका के बेटे अनिल की अनिल का नाम प्रकाश में आया। जिसकी गिरफ्तारी की गयी पुलिस एव फोरेंसिक टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान घटना स्थल से एक कुल्हाडी व एक पत्थर बरामद हुआ जिसे सील सर्वे मोहर किया, गिरफ्तारी/पूछताछ के दौरान अभियुक्त अनिल द्वारा अपने जुर्म का इकबाल किया गया।

अनिल ने पूछताछ के दौरान अपने जुर्म का इकबाल करते हुए बताया कि वह 02 भाई बहन है। उसके पिता खडकू छोटी बहन के साथ दिल्ली में बुआ के घर भात भरने गए थे । घर पर मैं और मेरी मम्मी अकेले थे। मैं अपने मोहल्ले के डब्बू व उसके भाई छंग्गा उर्फ जसवीर के साथ मजदूरी का काम करता हूँ। मेरे मजदूरी के डब्बू पर 1200 रुपए निकल रहे थे। मैंने शराब पी रखी थी, मैं अपनी मजदूरी के पैसे मांगने डब्बू के घर जा रहा था तो रास्ते में डब्बू से पैसे मांगने को लेकर मुंहभाषा हो गई थी।

10 लाख की साइबर ठगी मामले में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी में दर्ज 10 लाख रुपए की ठगी के एक मामले में थाना की टीम ने एक आरोपी को सेक्टर-17 जगाधरी यमुनानगर से गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान

अनिल कुमार निवासी हुडा सेक्टर-17 जगाधरी जिला यमुनानगर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शाहपुर फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसने खुद को एल्युमिनियम कंटेनर का व्यापारी बताया। 19 जून 2025 को आरोपी ने शिकायतकर्ता के पास एल्युमिनियम कंटेनर के फोटो भेजे। उसका एल्युमिनियम स्क्रैप का काम है तो कंटेनरों की आवश्यकता थी। वह आरोपी की बातों में आ गया और कंटेनर खरीदने के लिए आरोपी द्वारा बताए गए खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद न तो उसे कोई माल दिया गया और न ही पैसे वापस किए गए। जिस शिकायत पर साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर प्राप्त किया और कंटेनर उपलब्ध कराने का झांसा देकर उससे 10 लाख रुपए अपने खाते में डलवा लिये।

कॉल कर बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर कूटरचित पालिसी बनाकर अन्तर्राज्यीय साइबर फ्रॉड करने वाले गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार

खातों में पैसे ट्रांसफर कराते थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

पुलिस ने बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि के रूप में कॉल कर बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर कूटरचित पालिसी बनाकर अन्तर्राज्यीय साइबर फ्रॉड करने वाले गैंग के 05 सदस्य गिरफ्तार किए हैं। उनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन, 16 एटीएम कार्ड, 11 सिम, 01 कार व घटना से संबंधित 74000/- रुपए नगद बरामद किए है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि के रूप में कॉल कर बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर अन्तर्राज्यीय साइबर फ्रॉड करने वाले गैंग के सदस्य सुनील मिश्रा, पवन कुमार यादव, राहुल कुमार मिश्रा, जितेन्द्र कुमार सिंह और दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया है। 4 राज्यों की 1.5 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड की 4 घटनाओं का अनावरण किया गया है । अभियुक्तों ने बताया कि

सुनील मिश्रा, राहुल मिश्रा, पवन कुमार, जितेन्द्र कुमार तथा दीपक कुमार पहले लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी कॉल सेन्टर में काम कराते थे । ये लोग जीवन बीमा पॉलिसी कंपनियों के धारकों का डाटा प्राप्त कर दूसरों की आईडी के सिम प्राप्त कर उसी से प्राप्त डाटा से नंबर निकालकर उन लोगों को विभिन्न जीवन बीमा पॉलिसी कंपनियों के ग्राहक सेवा अधिकारी बनकर, बीमा पॉलिसी में रिफण्ड कराने तथा पॉलिसी में अधिक लाभों का झूठा लालच देकर या टैक्स के नाम पर विभिन्न खातों में पैसे ट्रांसफर कराते थे ।

आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिलाल निवासी आशियाना फ्लैट सेक्टर-56 फरीदाबाद के रूप में हुई है।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति :	67-SRDEE-G-DLI-2025-26 रेवाड़ी में स्टीम लोकोमोटिव सहित हेरिटेज रोलिंग स्टॉक के लिए भारी मरम्मत और रखरखाव सुविधाओं के विकास से संबंधित विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत :	रु. 1,01,24,356.00/-
कार्यालय का पता :	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि :	रु. 2,00,600.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय :	06.04.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय :	06.04.2026, 16.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड :	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 863/2026

प्रगति मैदान में हुई आम बैठक, पहुंचे कई राज्यों के निर्माता एवं प्रतिनिधि

एचके बत्रा 11वीं बार बने ऑल इंडिया ब्रेड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ऑल इंडिया ब्रेड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन एआईबीएमए की 40 वीं वार्षिक आम बैठक प्रगति मैदान मेजानाइन हॉल नम्बर 3 नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें प्रसिद्ध उद्योगपति एवं एल आर फूड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, डॉ. एचके बत्रा को सर्वसम्मति से 2026-27 के लिए एसोसिएशन का 11वीं बार अध्यक्ष चुना गया।

इस मौके पर उन्हें 10 सालों में एसोसिएशन के उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मैनेजिंग डायरेक्टर सोनिक बायोकेम एक्सट्रैक्शन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गिरीश मतलानी उपस्थित रहे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में लीगल मेट्रोलॉजी मिनिस्ट्री ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन के डायरेक्टर आशुतोष अग्रवाल ने शोभा बढ़ाई।

ब्रेड निर्माताओं और प्रतिनिधियों को सम्मानित किया

40 वीं वार्षिक आम बैठक में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड के विभिन्न शहरों से आए ब्रेड निर्माताओं और प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुई

बैठक में कई राज्यों से पहुंचे ब्रेड कंपनियों के निर्माताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से एक साथ सभी ने हाथ उठाकर एच के बत्रा को पुनः प्रधान बनाए जाने की घोषणा की। बताते चले कि एच के बत्रा जो कि फरीदाबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति के साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए है। वहीं फरीदाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रधान भी है। समय समय पर उद्योगों से जुड़ी समस्याओं को हल करने को लेकर उद्योगों और प्रशासन, सरकार के बीच सेतु का काम करते है। आल इंडिया ब्रेड मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के वह पिछले दस बार से प्रधान चुने जा रहे है। इस बार उन्हें 11 वीं बात प्रधान चुना गया है। एजीएम में एल आर फूड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, एच.के. बत्रा ने अपनी इस नियुक्ति पर सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप सभी का मेरे प्रति प्यार, सम्मान और विश्वास ही बहुत बड़ी शक्ति है जो मुझे ऊर्जा देती है। आप ने मेरी प्रति जो पुनः आस्था जताई है उस पर मैं खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। इस मौके पर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-2025-26 स्वर्गीय श्री राम अवतार गुप्ता को दिया गया। यह अवॉर्ड उनके बेटे शिव कुमार गुप्ता, एमडी आशा राम एंड सैंस प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली ने परिवार सहित लिया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद कुमार, पुत्रः** दलीप सिंह, **निवासीः** डब्ल्यूजेड–257, हरिजन कॉलोनी, तिलक नगर, नई दिल्ली–110018 ने मुकदमा **CC No. 4215/2023 U/s 138 NI Act, थानाः पश्चिम विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **CC No. 4215/2023 U/s 138 NI Act, थानाः पश्चिम विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विनोद कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री पूनम सिंह
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)–04, पश्चिम कमरा नं. 4, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3269/OD/2026 (Court Matter)

खबर संक्षेप

लेफ्टिनेंट सैयद हसनैन ने राज्यपाल पद की शपथ ली

पटना। लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने बिहार के 43वें राज्यपाल का पदभार ग्रहण कर लिया है। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू ने लोकभवन में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लिया। उन्होंने हिंदी में शपथ ग्रहण किया। समारोह में सीएम नीतीश कुमार समेत उनके कई मंत्रिमंडल सहयोगी मौजूद रहे।

8.42 लाख से अधिक महिलाओं को अब तक मिली तुरंत सहायता

योगी सरकार की 181 महिला हेल्पलाइन उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक मजबूत सहारा बनी है। 2017 से संचालित यह टोल-फ्री सेवा 24 घंटे सक्रिय है, जिसने अब तक 8.42 लाख से अधिक महिलाओं को घरेलू हिंसा, विवाद और उत्पीड़न जैसी संकट की स्थितियों में तुरंत सहायता और परामर्श प्रदान किया है। यह हेल्पलाइन महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाती है...

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर योगी सरकार की प्रतिबद्धता लगातार मजबूत होती दिख रही है। इसी दिशा में शुरू की गई 181 महिला हेल्पलाइन महिलाओं और बालिकाओं के लिए संकट की घड़ी में भरोसेमंद सहारा बनकर उभरी है। वर्ष 2017 से संचालित यह टोल फ्री हेल्पलाइन प्रदेश भर में चौबीसों घंटे सक्रिय है और अब तक इसके माध्यम से 8.42 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है। घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न या अन्य किसी विषम परिस्थिति में फंसी महिलाएं 181 नंबर पर कॉल कर तुरंत मदद और परामर्श प्राप्त कर रहीं हैं। इससे उन्हें त्वरित राहत मिलने के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

महिलाओं के लिए भरोसेमंद सहायता तंत्र

181 महिला हेल्पलाइन महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक समर्पित सहायता तंत्र के रूप में कार्य कर रही है। इस हेल्पलाइन के जरिए प्रदेश के किसी भी कोने से महिलाएं अपनी समस्या साझा कर सकती हैं और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकती हैं। कॉल सेंटर में तैनात प्रशिक्षित परामर्शदाता महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उन्हें तत्काल सलाह व आवश्यक सहायता उपलब्ध कराते हैं। इससे संकट की स्थिति में घिरी महिलाओं को मानसिक संबल मिलता है और उन्हें समाधान की दिशा में उचित मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

यूपी की 181 महिला हेल्पलाइन बनी मिसाल

24 घंटे सक्रिय व्यवस्था से मिल रही त्वरित मदद

महिला हेल्पलाइन 181 को इस प्रकार विकसित किया गया है कि यह चौबीसों घंटे सक्रिय रहकर महिलाओं को तुरंत सहायता उपलब्ध करा सके। इसमे किसी भी समय आई कॉल को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाता है। संबंधित महिला को समस्या के अनुसार परामर्श या आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। इस व्यवस्था के चलते प्रदेश की महिलाएं किसी भी आपात स्थिति में बिना झिझक अपनी समस्या साझा कर पा रहीं हैं। इससे महिला सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट रूप से सामने आती है।

पेज एक का शेष

दिल्ली-एनसीआर में ...

ईंधन) का ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक आदेश जारी कर दिया गया है। पेट्रोल, डीजल की पर्याप्त उपलब्धता की वजह से देश में फिलहाल इनके आयात की कोई जरूरत नहीं है।

समय पूरा होने पर ...

समय अवधि से पहले कोई सिलेंडर के लिए बुकिंग करने की कोशिश करेगा। तो उसकी बुकिंग नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने तेल कंपनियों को देशभर में इस संबंध जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है। जिसमें वो लोगों को डिजिटल बुकिंग करने और पैनिक में न आने के बारे में जानकारी देंगें। परिस्थिति चिंताजनक है। लेकिन हम अपनी ओर से बेहतर प्रयास करने में लगे हुए हैं। जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न हो। हमने घरेलू उपभोक्ताओं को पीएनजी और यातायात के लिए सीएनजी की निर्बाध गति से 100 प्रतिशत सप्लाई की पहले से मंजूरी दी हुई है।

रुकेगी कालाबाजारी, 20 एफआईआर दर्ज की : उन्होंने ये भी कहा कि एलपीजी व अन्य मामलों में कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के औचक निरीक्षण और रेड करने का सिलसिला चल रहा है। कई राज्यों में प्रदेश और तेल कंपनियों की संयुक्त टीमों का भी गठन किया गया है। महाराष्ट्र, राजस्थान में संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण और रेड की हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में 1400 जगहों पर औचक निरीक्षण किया गया है, 20 एफआईआर हुई हैं और कई सारे लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। 19 लोगों को अब तक सजा हुई है। इसी क्रम में आंध्र-प्रदेश, ओडिशा, बिहार और कर्नाटक में भी रेड की गई हैं। तेल कंपनियों की औचक निरीक्षण टीमों को भी एक्टिवेट किया गया है। बीते शुक्रवार को करीब 1300 जगहों पर औचक निरीक्षण (एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स, रिटेल आउटलेट्स) किए गए।

हरियाणा, गोवा के सीएम का मिला सहयोग: सुजाता शर्मा ने कहा, सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में सप्लाई की स्थिति की निगरानी और वितरण को सुलभ बनाना राज्य सरकार की मूल जिम्मेदारी है। जिसमें जिलों के प्रशासन की भी अहम भूमिका है। कई सारे मुख्यमंत्रियों ने अपने स्तर पर राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। जिनमें हरियाणा, गोवा के मुख्यमंत्री शामिल हैं। वहीं तेलंगाना, आंध्र-प्रदेश में भी वरिष्ठ अधिकारियों, लाइन विभागों के साथ चर्चा की गई है। दोषियों को पकड़ने, सजा देने में राज्य सरकारों की महती भूमिका है।

16, 17 मार्च को एलपीजी ...

रूम (डीजी कॉम) में बीते 24 घंटे में 312 कॉल, 407 ईमेल प्राप्त हुई हैं। जो कि नाविकों और उनके परिवारों के द्वारा या समुद्री क्षेत्र के भागीदारों द्वारा की गई हैं। इन सभी के जवाब दिए गए हैं। इस प्रकार से बीते 15 दिनों में करीब ढाई हजार से ज्यादा फोन कॉल और करीब 5 हजार ईमेल प्राप्त हुए हैं। इनका जवाब दिया गया है।

दुनिया से भारत पहुंचे एलपीजी के 6 जहाज: सिन्हा ने कहा, बीते 24 घंटे में 30 भारतीय नाविकों को खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों, हवाई अड्डों से सफलतापूर्वक देश वापस लाया गया है। जिसके बाद अब तक भारत आए लोगों की संख्या 253 हो गई है। समुद्री व्यापार पर कम से कम प्रभाव पड़ने के मामले पर सरकार बंदरगाहों, शिपिंग लाइंस और लॉजिस्टिक स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम कर रही है। बंदरगाहों को ये निर्देश दिया गया है कि शिपिंग लाइंस और कार्गो मालिकों को राहत दी जाए। जिसमें बर्थ हायर, लंगर डालने और स्टोरेज के चार्जेज में रियायत शामिल है। कुछ मामलों में लीज का एक्सटेंशन भी दिया गया है। ताकि अगर कोई एक्सपोर्ट कार्गो रिटर्न या कैंसिल होता है तो उनको भी समायोजित किया जा सके। जैसे कामराजार पोर्ट लिमिटेड, वहां पर 25 हजार मीट्रिक टन कार्गो में ये व्यवस्था लागू हुई है। बाकी पोर्ट पर भी ऐसी व्यवस्था चल रही है। एलपीजी कैरियर्स को प्राथमिकता के आधार पर सभी बंदरगाहों पर लंगर डालने का निर्देश दिया गया है। जिससे निर्बाध गति से ऊर्जा की सप्लाई बरकरार रखी जा सके। बीते 3 दिनों में 6 जहाज एलपीजी के थे। जो दुनिया के विभिन्न देशों से आए थे। उनको बड़े बंदरगाहों पर प्राथमिकता के तहत लंगर डालने की अनुमति प्रदान की गई है। बंदरगाहों पर माल से लदे हुए जहाजों को भी सुरक्षित लंगर डालने दिया जा रहा है। ये वो जहाज हैं, जो खाड़ी संकट की वजह से फिलहाल आवाजाही नहीं कर पा रहे हैं। मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अपने तमाम मिशन के साथ निकट संपर्क और समन्वय के जरिए उभरते हुए हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है। जिसमें शिपिंग कंपनियां और बाकी समुद्री भागीदार भी शामिल हैं। ताकि इससे सभी भागीदारों को सुरक्षा, कल्याण और समयबद्ध रूप से सहायता प्रदान की जा सके।

गेल ने की बैठक ...

कमर्शियल सिलेंडरों का अपने प्रदेशों में वितरण करने की व्यवस्था बनाएं। 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कमर्शियल सिलेंडरों की बिक्री शुरू हो गई है और ये उपभोक्ताओं को मिल गए हैं। ऑनलाइन बुकिंग लगभग 84 फीसदी पर है। जिसमें 100% सुधार की संभावना है। एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़कर 31 फीसदी तक जा पहुंचा है। जो पहले 10, 25 और 28% पर बना हुआ था।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा...

को मामले पर राजधानी में आयोजित की गई अंतर-मंत्रालय प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। गौरतलब है कि होर्मुज की खाड़ी से जहाजों के स्वदेश पहुंचने का ये सिलसिला बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के तुरंत बाद सामने आया है। इसके अलावा बीते वक्त में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच भी कुल चार बार फोन पर संवाद हो चुका है। दोनों वार्ताओं में भारत ने क्षेत्र में रह रहे 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा के साथ ही अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है।

संवाद-कूटनीति से ...

वकालत की है।

ईरान लौटे लावन के चालक दल के सदस्य: उन्होंने बताया कि युद्ध के बीच हवाई उड़ानों के प्रभावित होने की वजह से ईरान के कई लोग दिल्ली में फंसे हुए थे। जिनकी वतन वापसी के लिए ईरान के अधिकारियों ने चार्टर्ड उड़ानों की व्यवस्था की है, जिससे इन लोगों को वापस भेजा जा सके। यह वो लोग हैं, जिन्होंने भारत में बतौर पर्यटक के रूप में यात्रा की थी। जबकि कुछ लोग बतौर राजनयिक देश में रुके हुए थे। बीते शुक्रवार की रात में कोच्चि से एक उड़ान इन लोगों को ईरान लेकर गई है। जिसमें वहां के बंदरगाह पर लंगर डाले हुए आईआरआईएस लावन जहाज के चालक दल के गैर-जरूरी सदस्य भी शामिल हैं। जो कोच्चि में भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए थे। ये कदम दोनों देशों के बीच मौजूद मानवीय सहयोग को दर्शाता है। यहां बता दें कि लावन वही जहाज है, जिसे ईरान ने युद्ध के बीच शरण देने पिछले महीने 28 फरवरी को भारत से अनुरोध किया था। 1 मार्च को इसे स्वीकार किया गया था और उसके बाद 4 मार्च को लावन कोच्चि पहुंचा था।

युद्ध के बीच तय होता ब्रिक्स का रुख : रणधीर ने बताया कि ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में भारत ने इसके अन्य भागीदार देशों के साथ पश्चिम-एशिया संघर्ष के मामले पर अपना एक सर्वमान्य रुख तय करने की कोशिश की है। क्योंकि इस स्थिति का समूह देशों पर भी प्रभाव पड़ता है। ब्रिक्स के कुछ देश जैसे ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस लड़ाई का हिस्सा हैं। फिलहाल इस कवायद को अंतिम रूप देने के लिए इस मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन पाई है। शेरपा संवाद चैनलों के माध्यम से हम इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं और इस संबंध में हमारी पिछली बैठक 12 मार्च को हुई थी। इस दौरान भी हमने सभी देशों के बीच एक आम सहमति बनाने की कोशिश की थी। लेकिन ये संभव नहीं हो सका। हमारे नेता ब्रिक्स देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। मामले पर हम आमराय बनाने की कोशिश करते रहेंगे। उधर, ये बता दें कि ब्रिक्स की तरफ से अभी तक पश्चिम-एशिया के मामले को लेकर रुख साफ नहीं किया गया है।

संवाद तंत्र से मजबूती से जुड़ा भारत: उन्होंने कहा कि हम एक बेहद जटिल स्थिति का सामना कर रहे हैं। बावजूद इसके हम सभी महत्वपूर्ण वार्ताकारों के साथ संपर्क साधे हैं, जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देश भी शामिल हैं। ईरान, इजरायल और अमेरिका के साथ विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक माध्यमों से भारत का संवाद कायम है। हमने अपने इन प्रयासों के माध्यम से देश की प्राथमिकताओं के बारे में सभी को अवगत कराया है। खासकर हमारा जोर ऊर्जा सुरक्षा, नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बनी हुई हमारी चिंता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते कुछ दिनों में क्षेत्र में अपने समकक्षों से भी बात की है। विदेश मंत्री की चर्चाएं भी जारी हैं। हमारे मिशन भी वार्ताकारों के बेहद करीबी संपर्क में बने हुए हैं। इस प्रक्रिया में अन्य प्रमुख भागीदारों की चिंताओं जैसे शिपिंग लाइंस व अन्यों के मुद्दों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

उर्वरकों का पर्याप्त मात्रा से ज्यादा स्टॉक: जायसवाल ने बताया कि मौजूदा स्थिति में देश में उर्वरकों का पर्याप्त मात्रा से ज्यादा स्टॉक बना हुआ है। विशेष रूप से खरीप 2026 के लिए यूरिया की उपलब्धता बीते वर्ष इसी समय की तुलना में कुल स्टॉक से अधिक है। डीएपी खाद का स्टॉक बीते वर्ष की तुलना में दोगुना है। समान रूप से एनपीके स्टॉक भी आज काफी ऊंचा बना हुआ है। यूरिया का घरेलू उत्पादन देखें तो वर्तमान में ये नॉमिनल उपभोग से कहीं ज्यादा है। खासकर रबी सीजन के अंत में हमने अपने कुछ प्लांट्स की मरम्मत का शेड्यूल एडवांस कर दिया है। जिससे हम गैस की उपलब्धता के साथ अपने उत्पादन को अधिकतम कर सकें। उर्वरक विभाग ने ग्लोबल टेंडर एडवांस में समय पर जारी किए हैं। जिन्हें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। इसके अलावा मार्च महीने के अंत तक हमें कई अन्य स्त्रोतों से भी उर्वरक मिल जाएगी।

स्पॉट गैस खरीद की है योजना : उर्वरक मंत्रालय के संबंधित विभाग ने प्रतिद्वंद्विता के आधार पर स्पॉट गैस की खरीद की भी योजना बनाई है। जिसका पहला चरण आगामी सप्ताह मंगलवार से शुरू होगा। देश भर में सप्लाई को बनाए रखने के लिए हमारे सभी साझेदारों ने हमें आश्वस्त किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उनके पास उर्वरकों के पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। 15 मई से खरीफ की मांग के चरम पर पहुंचने का मसला भी इसमें शुमार है। उर्वरक मंत्रालय घरेलू और वैश्विक पैटर्न की गंभीरता के साथ निगरानी कर रहा है और उचित कदम उठा रहा है। रणधीर ने अफवाह फैलाने पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग इस मामले पर टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्हें सलाह दी जाती है कि कुछ भी कहने से पहले वो अपने तथ्यों को अच्छी तरह से जांच लें और उसके बाद कोई टिप्पणी करें। मामले में किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

अमेरिका के विरोध ...

रखना चाहिए। यूक्रेन ने भी अमेरिका के निर्णय को गलत बताया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि इससे उनके देश पर चार साल से अधिक समय से जारी रूसी आक्रमण को रोकने में कोई मदद नहीं मिलेगी। जबकि इसके उलट दी जा रही इस छूट से रूस को युद्ध के लिए 10 अरब डॉलर मिल सकते हैं। जर्मनी के चांसलर का मत है कि प्रतिबंधों में छूट की जगह पर हमें ये सुनिश्चित करना चाहिए कि रूस कहीं ईरान युद्ध का फायदा उठाकर यूक्रेन को कमजोर न करे।

केंद्र ने जारी ...

निगरानी व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई।

मल्टी-विलेज योजनाओं के लिए विशेष नियम: केंद्र ने यह भी स्पष्ट किया है कि मल्टी-विलेज स्कीम यानी बहु-गांव जल योजनाओं के लिए केंद्रीय फंड तभी जारी होगा जब उनकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा पूरी हो जाएगी। हालांकि जिन क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता खराब है या पानी की भारी कमी है, वहां कुछ मामलों में नियमों में ढील दी जा सकती है।

'सुजल गांव आईडी' से होगी पूरी डिजिटल मैपिंग : बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने सुजल गांव आईडी भी जारी की। यह एक योजना-आधारित विशिष्ट डिजिटल पहचान है, जिससे ग्रामीण पाइप जल आपूर्ति परिसंपत्तियों की पूरी डिजिटल मैपिंग संभव होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 1.64 लाख सुजल गांव आईडी तैयार की जा चुकी हैं, जिन्हें करीब 67,000 सुजलम भारत आईडी से जोड़ा गया है। प्रत्येक सुजलम भारत आईडी योजना के इंफ्रास्ट्रक्चर आईडी और सेवा क्षेत्र आईडी को जोड़कर ग्रामीण जल सेवा वितरण का एक व्यापक डिजिटल ढांचा तैयार करती है।

राज्यों से समय पर योजनाएं पूरी करने का आग्रह : बैठक में केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से जल योजनाओं को समय पर पूरा करने और जमीनी स्तर पर निगरानी मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समझौता ज्ञापन में रखी गई शर्तें संरचनात्मक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं और इन्हें पूरी गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए।

अनियमितताओं पर सख्ती की तैयारी : सूत्रों के अनुसार ये नई शर्तें इसलिए लागू की गई हैं क्योंकि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में कई स्थानों पर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं। केंद्र सरकार अब इन गड़बड़ियों पर सख्ती से कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

2028 तक बढ़ाई गई योजना : उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन को हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2028 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण घर तक नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। केंद्र सरकार का मानना है कि नई शर्तों के लागू होने से योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

कैथल पहुंचे यूपी के सीएम योगी

जिस देश की संत शक्ति मजबूत उसे कोई ताकत नहीं हरा सकती

एजेंसी ▶▶ कैथल

जिले के सोंगल गांव स्थित सिद्ध बाबा मुकुट नाथ जी प्राचीन तोपस्थली पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि सोंगल की भूमि ने हर युग में अपना प्रभाव दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे इस पवित्र परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा-'मैं महंत गणेश जी महाराज की स्मृतियों की नमन करते हुए पूरे नाथ संप्रदाय की ओर से विनम्र श्रद्धांजिल अर्पित करता हूं। इस पावन धरा पर मैं आप सभी का हृदय से अभिवादन करता हूं।' योगी आदित्यनाथ ने कहा ...कई वर्षों के बाद, संतों और भक्तों का इतना विशाल जमावड़ा यहां सोंगल में इकट्ठा हुआ है। इस पवित्र भूमि पर, एक ऐसी भूमि जिसने हर युग में अपना प्रभाव दिखाया है, आज मुझे इस पवित्र भंडारे और धर्म सभाके माध्यम से, आपके दर्शन पाने का और आपके माध्यम से, उस पवित्र परंपरा के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।₹ इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने सनातन का विरोध करने वालों पर भी निशाना साधा और कहा किजब सनातन विरोधी सरकारें आएंगी तो वे तुष्टीकरण करेंगी।

कितना पुराना है सोंगल मठ?

इस डेरे का इतिहास 1600 से 1700 साल पुराना है। इस मठ के परिसर में 17 महंतों की समाधि बनी हुई है। माना जाता है कि यहां माथा टेकने से हर मनोकामना पूरी होती है। ऐसा बताया जाता है कि मुगलकाल में गोरखनाथ मठ की गद्दी पर मुगल अत्याचार करते थे। मुगलों ने इस मठ पर कब्जा भी कर लिया था। बाद में इस मठ पर हजारों की संख्या में नाथ पंथी पहुंचे और उसे मुगलों से मुक्त कराया था। प्राचीन समय में नाथ पंथ भक्ति के अलावा धर्म की रक्षा का भी काम करता था।

लकड़ी जलाकर खाना पका रहे रसोइया

स्कूल, हॉस्टल, आंगनबाड़ी में एलपीजी किल्लत से गैस चूल्हे बंद

एजेंसी ▶▶ पटना

ईरान युद्ध से मध्य-पूर्व में आए संकट के बीच भारत में एलपीजी गैस की किल्लत हो गई है। बिहार के स्कूल, छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों की रसोइयां भी इससे प्रभावित हुई हैं। राज्य में कई स्कूलों में लकड़ी के चूल्हे पर मिड डे मील बनाया जाने लगा है। वहीं, राज्य के आधे आंगनबाड़ी केंद्रों में भी एलपीजी गैस सिलेंडर नहीं मिलने से संकट आ गया है। आंगनबाड़ी सेविकाएं अब लकड़ियां जलाकर खाना पका रही हैं।

एक लाख से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद

बिहार में एक लाख से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्र हैं। ग्रामीण और शहरी, लगभग सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर गैस चूल्हे पर ही खाना पकाया जा रहा है। एलपीजी संकट से आंगनबाड़ी सेविकाओं के सामने परेशानी आ गई है। सेविकाओं द्वारा बीते 10 दिनों से नंबर लगाने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल रहा है। गैस सिलेंडर खत्म हो जाने से अब मजबूरी में लकड़ी के चूल्हों पर खाना तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बिहार में लगभग आधे आंगनबाड़ी केंद्रों पर गैस सिलेंडर की किल्लत हो गई है। हर आंगनबाड़ी केंद्र को गैस सिलेंडर के लिए 910 रुपए मिलते हैं। परेशान सेविकाओं ने आईसीडीएस को भी इसकी जानकारी दी है। वहीं सरकारी स्कूलों में मिड डे मील सेवा प्रभावित हुई है। सिलेंडर की किल्लत से स्कूलों में रसोइए लकड़ी के चूल्हों पर खाना पका रहे हैं।

चाय से चलाया जा रहा काम

दीदी की रसोई में भी सिर्फ चाय से काम चलाया जा रहा है। गैस नहीं मिलने से खाना पकाना बंद है। पटना में सिर्फ पीएमसीएच और एससी-एसटी छात्रावास में 30 फीसदी कटौती कर गैस सिलेंडर की सप्लाई की जा रही है। निजी हॉस्टल संचालक भी वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुटे हुए हैं।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
के सहयोग से
दिल्ली यातायात पुलिस
द्वारा आयोजित

नेशनल लोक अदालत
22 मार्च 2026 को इन सात कोर्ट परिसरों में

कोर्ट परिसर
पटियाला हाउस | कड़कड़डूमा | तीस हज़ारी
साकेत | रोहिणी | द्वारका | राउज एवेन्यू

1. केवल दिल्ली यातायात पुलिस पोर्टल पर लंबित और 30.11.2025 तक वर्चुअल कोर्ट को भेजे गए समझौता योग्य यातायात चालान/नोटिस ही इस लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखे जाएँगे।
2. नोटिस/चालान डाउनलोड करने और प्रिंटआउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन करें: https://traffic.delhipolice.gov.in/lokadalat या क्यूआर कोड स्कैन करें।
3. नोटिस/चालान का प्रिंटआउट साथ लेकर आना अनिवार्य है। न्यायालय परिसर में प्रिंटआउट की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

यह लिंक 16.03.2026 को सुबह 10:00 बजे से सक्रिय होगा और चालान/नोटिस की सीमा 2,00,000 समाप्त होने तक उपलब्ध रहेगा। प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस ही डाउनलोड किए जाएंगे।

Scan QR Code 1: Steps for booking online appointment
Scan QR Code 2: Downloading Notices/Challans

अधिक जानकारी के लिए
WhatsApp: +91 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic

DP/9870/2026

24x7 यातायात हेल्पलाइन :- 011-25844444/1095

वेबसाइट : www.traffic.delhipolice.gov.in
ई-मेल : info.traffic@delhipolice.gov.in

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
राउज एवेन्यू जिला कोर्ट्स काम्प्लेक्स, तीसरा तल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली - 110002
हेल्पलाइन 1516

एक यातायात प्रहरी बनें
यातायात प्रहरी ऐप डाउनलोड करें
App Store व Google Play

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 15 मार्च 2026

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर

देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आई थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

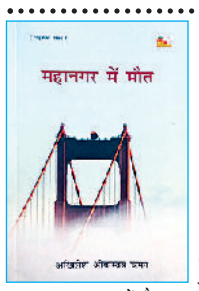

पुस्तकः महानगर में मौत, लेखकः अखिलेश श्रीवास्तव चमन, मूल्यः 225 रुपए, प्रकाशकः न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अनर्गल टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पीसीसी संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि विनोद तिवारी कौशांबी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान दिल्ली पुलिस की टीम ने दबिश दी। उन्हें हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में लगी है। चर्चा है कि यह कार्रवाई तीन फरवरी को सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ की गई एक पोस्ट के मामले में की गई है। इस पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस टीम ने कौशांबी पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस को हर मोहल्ले तक मजबूत किया जाएगा: पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर जिले की सांवेर एवं राऊ विधानसभा के विभिन्न ब्लॉकों में आयोजित 'ब्लॉक स्तरीय पंचायत समिति कार्यकर्ता सम्मेलन' में भाग लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंतर्गत सांवेर विधानसभा के पालिया, सांवेर, क्षिप्रा एवं खुड़ैल ब्लॉक तथा राऊ विधानसभा के रालामंडल ब्लॉक में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस संगठन को हर मोहल्ले और हर वार्ड तक मजबूत किया जाएगा उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि "संगठन की मजबूती और जनता के विश्वास के बल पर वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।" इस अवसर पर महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीना बोरासी, इंदौर जिला कांग्रेस (ग्रामीण) अध्यक्ष विपिन वानखेड़े सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऐशबाग में 81, छोला, नारियलखेड़ा की गलियों में बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के 20 फीसदी दाम

शाहजहांनाबाद, रंभा नगर, ओल्ड डेयरी की गलियों में भी मकान खरीदना होगा महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पंजीयन विभाग शहर की मुख्य सड़कें, पॉश कॉलोनियों के साथ गलियों के मकानों से भी अपनी आमदनी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है, जिसके लिए पुराने शहर की अधिकतर गलियों के मकानों के भी बढ़े हुए दाम प्रस्तावित किए गए हैं। हालात यह हैं कि ऐशबाग इलाके की गलियों के मकानों के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी प्रस्तावित कर दी गई है।

यहां अहाता मनकशा और अहाता सिकंदरकुली एरिया में 81 फीसदी की बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। यहां वर्तमान में 8 हजार 800 रुपए प्रति वर्गमीटर का रेट है, जिसके बढ़ाकर 16 हजार किया जा रहा है। इसके साथ यहां व्यावसायिक प्रॉपर्टी के दाम भी 81 फीसद बढ़ाए गए हैं। पंजीयन विभाग ने एक अप्रैल से लागू होने वाली प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन को लेकर 628 लोकेशन पर बढ़ोतरी प्रस्तावि कर दी है। जबकि 795 लोकेशन को अधिक दाम वाली लोकेशन में मर्ज किया जा रहा है। जिससे इन जगहों पर भी प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। इस बार पंजीयन अफसरों ने एक फार्मूले के आधार पर प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। अधिकतर जगहों पर दस से बीस फीसद की बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। अफसरों का कहना है कि पुराने शहर में रीसेल वाली प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री हो रही हैं। इसलिए यहां बढ़े हुए दाम प्रस्तावित किए गए हैं।

पंजीयन विभाग मुख्य सड़कों के साथ गलियों से भी करेगा ज्यादा कमाई

प्रतीकात्मक फोटो।

आपत्तियो का किया जा रहा निराकरण

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में प्रस्ताव रखने के बाद पंजीयन विभाग के अफसरों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दावे-आपत्तियां लेना शुरु कर दिया है। अब तक दोनों माध्यमों से करीब सौ आपत्तियां आई हैं। जिनका निराकरण किया जा रहा है।

इन जगहों पर प्रस्तावित किए बढ़े हुए रेट

लोकेशन	वर्तमान(आ/व्या)		बढ़ोतरी%
अहाता मनकशां	8800/13200	16000/24000	81/81
सिकंदरकुली	8800/13200	16000/24000	81/81
फरहतअफजागली	10400/15600	13000/19500	25/20
पुतलीघर गलियां	10000/15000	12000/18000	20/20
छोला गलियां	10000/15000	12000/18000	20/20
रंभा नगर	10000/15000	12000/18000	20/20
दुर्गानगर अंदर	10000/15000	12000ध18000	20/20
इस्लामीगेट अंदर	10000/15000	12000/18000	20/20
नारियलखेड़ा	12000/18000	14000/20000	16//11
रिसालदार कॉ	10000/15000	12000/18000	20/20
ओल्डडेयरी जहां	11000/16500	12000/18000	9/9

नोट- आवासीय और व्यावसायिक प्रॉपर्टी की राशि प्रति वर्गमीटर में है।

बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश, मंत्री गोविंद, चैतन्य ने समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की न हो कोई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रम एवं मध्य पूर्व देशों में तनाव से पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा के लिए गठित मंत्रि मंडल समिति की बैठक शुक्रवार को मंत्रालय में हुई। बैठक में घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, एजेंसियों के माध्यम से वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि प्रदेश के सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में प्रदेश के प्रवासियों को खाड़ी देशों से सुरक्षित लाने के लिए किए गए उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने समीक्षा कर निर्देश दिए। मंत्री काश्यप वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता एवं प्रदेश के प्रवासियों को खाड़ी देशों से वापस लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान सचिव गृह कृष्णावेनी देसाबातू, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा, ऑयल कम्पनियों के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए
- उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो

हाईलेवल समीक्षा बैठक।

कालाबाजारी को रोकने करें समुचित कार्रवाई

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गैस एजेंसियों और तेल कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर मांग और आपूर्ति की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, जिससे किसी क्षेत्र में सिलेंडर की कमी की स्थिति न बने। उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल, एटीएस, क्रूड ऑयल एवं घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। निरंतर आपूर्ति जारी है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 115 स्थानों पर जांच की गई है।

अनियमितता या विलंब की शिकायत पाए जाने पर करें तत्काल कार्रवाई

बैठक में गैस एजेंसियों के संचालन, सिलेंडर वितरण की समयबद्धता और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मंत्रिमंडल समिति ने निर्देश दिए कि यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या विलंब की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए। धिकारियों से कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एलपीजी की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक

आयल कंपनियों ने कहा कि गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक वाटलिंग प्लांट एवं वितरकों के गोदाम में उपलब्ध है। आशंकित उपभोक्ताओं की ओर से अत्यधिक गैस सिलेंडर की बुकिंग के कारण सर्वर पर अतिरिक्त लोड आने से असुविधा हो रही थी। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं की ओर से अंतिम रिफिल के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग कराई जा सकेगी।

पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण समस्या

मंत्री काश्यप ने कहा कि सिलेंडर बुकिंग के लिए बनाए गए पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण समस्या हुई। इसे दुरुस्त किया जाए। एजेंसियों में आवश्यकता अनुसार ऑफलाइन बुकिंग भी की जाए। देश की रिफायनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही है तथा पश्चिम एशिया के अतिरिक्त अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। घरेलू पीएनजी तथा सीएनजी की आपूर्ति भी निरंतर जारी है। बिना कटौती के जारी रहेगी।

घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर गाइडलाइन

दूसरा सिलेंडर लेने 25 दिन में होगी बुकिंग

शहर में कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर रोक लगाने और घरेलू सिलेंडरों की सप्लाई को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने गाइडलाइन जारी कर दी है। जिसके तहत एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन बाद ही हो सकेगी। होटलों पर डीजल भट्टी का उपयोग शुरू लालघाटी स्थित एक मैरिज गार्डन में सिलेंडर के इंतजाम नहीं होने की वजह से डीजल भट्टी का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया है। हालांकि एक दो दिन के बाद शादियों का सीजन बंद हो जाएगा। होटल कारोबारियों ने वैकल्पिक इंतजाम के लिए बड़े इंडक्शन और डीजल भट्टियां खरीदना शुरु कर कर दिया है।

यह भी निर्देश किए जारी

- पैनिक बुकिंग से बचने की अपील
  अफसरों ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि गैस का पर्याप्त स्टॉक है। घबराहट में बुकिंग न करें, जिससे वितरण सिस्टम पर असर पड़ता है।
- बिना लाइसेंस 100 किलोग्राम तक ही एलपीजी स्टोरेज
  व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना विस्फोटक लाइसेंस के अधिकतम 100 किलोग्राम तक एलपीजी का भंडारण कर सकते हैं। इससे अधिक के लिए मैनिफोल्ड सिस्टम अनिवार्य होगा।
- होटल-रेस्टोरेंट को गैस खपत कम करने की सलाह
  संचालकों से कहा गया है कि गैस की खपत कम करने के लिए इलेक्ट्रिक तंदूर का उपयोग करें और मेन्यू को छोटा रखें। गैस की खपत कम करने के लिए डीजल स्टोव, लकड़ियां (सीमित मात्रा में) इलेक्ट्रिक इंडक्शन सहित अन्य विकल्पों के उपयोग की अपील की गई है।
- शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर
  किसी भी समस्या या शिकायत के लिए एलपीजी हेल्पडेस्क कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 9685404087 पर संपर्क किया जा सकता है।

खाद्य विभाग की टीम ने विशेष जांच अभियान के तहत की कार्रवाई

घरेलू सिलेंडर का कर रहे थे कमर्शियल काम के लिए उपयोग

कालाबाजारी पर चला प्रशासन का चाबुक, 350 सिलेंडर जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने विशेष जांच अभियान चलाकर कई स्थानों पर छापेमार कार्रवाई की।

इस दौरान 350 से अधिक घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर की गई। जांच टीम ने जिले के अलग-अलग विकासखंडों में होटल, दुकानों और गैस एजेंसियों की जांच कर अनियमितताओं का पता लगाया। जांच के दौरान धरसींवा विकासखंड के सेजबहार क्षेत्र में स्थित एक होटल में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पाया गया। यहां से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 8 सिलेंडर जब्त किए गए। इसी इलाके में एक चिकन सेंटर से भी 3 घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए, जिनका उपयोग व्यवसाय में किया जा रहा था।

ग्रामीण गैस एजेंसी की भी की जांच

वहीं अमनपुर-नवापारा क्षेत्र में एक दुकान में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी का मामला सामने आया। यहां से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 26 घरेलू सिलेंडर, 19 किलोग्राम क्षमता के 2 व्यावसायिक सिलेंडर और 5 किलोग्राम क्षमता के 4 सिलेंडर जब्त किए गए।

साध्वी रितंभरा होंगी मुख्य वक्ता

सर्वे भवन्तु सुखिनः' थीम पर लाला पन्नालाल स्मृति व्याख्यानमाला के तहत सेमिनार आज

नई दिल्ली। सनातन मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए प्रतिबद्ध और हर देशवासी को भारतीयता की संस्कृति से रुबरू व एकाकार करवाने के मिशन में वर्षों से कार्यरत संस्था 'चेतना' (सुरभि सनातन की) की ओर से रविवार, 15 मार्च को एक और दिव्य, भव्य एवं विराट कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है।'चेतना' के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि राजेश चेतन ने यहां जारी प्रेस बयान में बताया कि 'चेतना' की ओर से

लाला पन्नालाल सिंघल स्मृति व्याख्यान माला (10.0) के तहत 76 वें सेमिनार का आयोजन रविवार 15 मार्च को इस्कॉन मंदिर, रोहिणी सैक्टर 25, दिल्ली में किया जाएगा। इसमें मुख्य वक्ता विश्व प्रसिद्ध धर्म प्रचारक, उपदेशक, सामाजिक ताने-बाने की कुशल शिल्पकार और वात्सल्य ग्राम की संस्थापक साध्वी ऋतंभरा होंगी। सेमिनार की थीम रखी गई है 'सर्वे भवन्तु सुखिनः'। गोल्डन मसाले के निर्माताओं ने सेमिनार के प्रायोजक का दायित्व संभाला है। सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होने वाले सेमिनार की अध्यक्षता एकल संस्थान की चेयरपर्सन मंजू श्रीवास्तव करेंगी तथा इस्कान, रोहिणी के अध्यक्ष केशव मुरारी दास विशिष्ट अतिथि होंगे। रोहिणी के पूर्व विधायक जयभगवान अग्रवाल दीप प्रज्ज्वलित करेंगे।

वनस्थली विद्यापीठ का 42वां दीक्षान्त समारोह संपन्न

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ का 42वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे अध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी फोरम, भारत सरकार रहे। वनस्थली के स्वागत द्वार पर विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, कोषाध्यक्ष प्रो. सुधा शास्त्री एवं वनस्थली सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निदेशक प्रो. अंशुमान शास्त्री ने स्वागत किया। तत्पश्चात वनस्थली सेवा दल के बैण्ड द्वारा राष्ट्रीय सलामी के उपरान्त छात्राओं ने पारंपरिक शैली में तिलक लगा कर एवं सूत की माला पहना कर स्वागत गान से मुख्य अतिथि का अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि ने वनस्थली की मूल प्रेरणा शक्ति स्थल 'श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर व संस्थापकों के मूल निवास स्थान गांधी घर का अवलोकन किया। कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने मुख्य अतिथि को स्थान की महत्ता से अवगत कराया। मुख्य अतिथि लक्ष्मीबाई मैदान में ध्वजारोहण कर वनस्थली सेवादल व एनसीसी कैडेट द्वारा द्वारा प्रस्तुत परेड में सम्मिलित हुए।

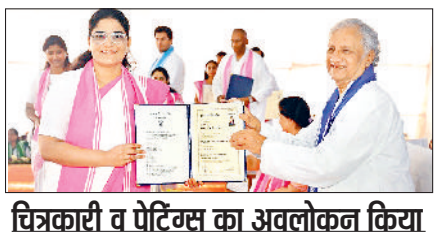

चित्रकारी व पेंटिंग्स का अवलोकन किया

मुख्य अतिथि कला मंदिर में छात्राओं एवं देश-विदेश के अग्रणी कलाकारों की चित्रकारी एवं पेंटिंग्स का अवलोकन किया। तदुपरान्त वे वीरबाला मैदान में घुड़सवारी, महदाजी शूटिंग रेंज में शूटिंग एवं मारूत मैदान में फ्लाइंग क्लब की गतिविधियों को देख कर अभिभूत हो गए। इसी क्रम में वे विद्यापीठ के शैक्षिक विभागों स्कूल ऑफ डिजाइन, स्कूल ऑफ ऑटोमेशन एवं सेंटर ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिदर्शन किया। तदुपरान्त संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सुर मंदिर सभागार में शास्त्रीय संगीत एवं राजस्थानी लोक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। दीक्षान्त समारोह अपराह्न 2 बजे प्रारम्भ हुआ। कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने दीक्षान्त समारोह आरम्भ होने की घोषणा की।

पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग, अब 29 को करेंगे शिक्षक बड़ी बैठक, सांसदों, विधायकों को भी सौंपे जाएंगे ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा के आदेश के विरोध में प्रदेश भर में हुए प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के आदेश लोक शिक्षण संचालनालय से जारी होने के बाद शिक्षक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। आदेश के विरोध में शुक्रवार को प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे गए। म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन के आव्हान पर राजधानी में कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। शिक्षकों ने कलेक्टर कार्यालयों के सामने रैली, नारेबाजी और प्रदर्शन कर सरकार से इस आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग की।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश सरकार को भी शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि फिलहाल सरकार से शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है। यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो 29 मार्च को प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों की बैठक बुलाकर संयुक्त शिक्षक मोर्चा बनाया जाएगा और आगे बड़े आंदोलन की रणनीति घोषित की जाएगी। कौशल ने बताया कि 15 से 28 मार्च के बीच प्रदेशभर में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

प्रदर्शन कर सरकार से आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग की

शासकीय शिक्षक संगठन का प्रदर्शन।

पूर्व विधायक ने लिखा सीएम-स्कूल शिक्षा मंत्री को पत्र

शिक्षकों के समर्थन में भाजपा के पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री पत्र लिखकर कहा है कि लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश से भ्रम और व्यापक असंतोष की स्थिति बनी है। इससे शिक्षक समाज चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहा है तथा आंदोलन की ओर अग्रसर हो रहा है। पाटीदार ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि इस मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित निर्देश को निरस्त किया जाए। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और शिक्षा का अधिकार अधिनियम को ध्यान में रखते हुए शासन स्तर पर सकारात्मक पहल कर ऐसा मार्ग निकाला जाए, जिससे शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को किसी प्रकार की अपमानजनक प्रक्रिया से न गुजरना पड़े। आवश्यकता हो तो शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन भी किया जाए। उन्होंने शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन के समर्थन की बात भी कही है।

'टीईटी' के नाम पर शिक्षकों को सेवा से निष्कासित किया तो करेंगे आंदोलन

वर्ष 2011 से पूर्व भर्ती हुए शिक्षकों के ऊपर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आवश्यक करने के विरोध राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा आंदोलन करेगा। संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव श्याम सुंदर शर्मा, संरक्षक विजय सिंह ने बताया कि टीईटी की परीक्षा का नियम लागू करते हुए वर्ष 2011 में पहली बार टीईटी परीक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जबकि शिक्षा विभाग में अधिकांश शिक्षक वर्ष 2011 से पूर्व में व्यापमं परीक्षा व अन्य परीक्षाओं के माध्यम से शिक्षक के पद पर योग्य पाए जाने पर उनकी भर्ती शिक्षक के पद पर की गई थी। उस समय टीईटी परीक्षा का नियम और शर्तें लागू नहीं थी। शासन द्वारा निर्धारित योग्यता एवं व्यापम द्वारा ली गई शिक्षक परीक्षा में मेरिट के आधार पर योग्य एवं दक्ष अभ्यर्थियों को ही शिक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई थी। वर्ष 2011 से पूर्व जब टीईटी परीक्षा का नियम लागू ही नहीं था। तो फिर आज लंबे अरसे के बाद टीईटी परीक्षा का नियम अनिवार्य लागू करके सेवा से पृथक करने की धमकी देना शिक्षकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने का प्रयास करना शिक्षकों के ऊपर सीधा कुठाराघात है। कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर टीईटी परीक्षा को वापस लेने की मांग की है।

संघर्ष मोर्चे का प्रदर्शन।

संघर्ष मोर्चा ने किया निर्णायक जंग का ऐलान

राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांण्डेय की अध्यक्षता में मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक शुक्रवार को प्रमुख अभियंता कार्यालय जल संसाधन विभाग के परिसर पर संपन्न हुई। जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा कर्मचारियों की समस्याओं का निदान होने तक निर्णायक जंग लड़ेगा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगे एनपीएस पेंशन के स्थान पर पुरानी ओपीएस पेंशन प्रदान करने, कर्मचारियों के उच्च समयमान वेतनमान के प्रकरण का तत्काल प्रभाव से निराकरण करने, जल संसाधन विभाग में 20-25 वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी-अधिकारी को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाए।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे इस जंग को रुकवाने में हस्तक्षेप की उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दरअसल, यूएन की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ही आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति व सुरक्षा बनाए रखना था। वर्तमान में वह अपने इस उद्देश्य में असफल प्रतीत होने लगा है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है, जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। इस संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर यह युद्ध और अधिक लंबा चला तो इसके दूरगामी परिणाम भयावह हो सकते हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। ईरान की जमीनी वास्तविकता को समझने में नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप ने बुनियादी गलती अंजाम दे डाली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी और ईरान के शीर्ष नेतृत्व एवं सैन्य कमांडरों को कत्ल कर दिए जाने के पश्चात ईरान और अधिक एकजुट और आक्रामक हो गया है। अमेरिकी और इजराइली लीडरान ने इराक के विरुद्ध ईरान की शत अल अरब की जंग को विस्मृत कर दिया कि इस जंग में सद्दाम हुसैन की आक्रामक सेना के पीछे अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के सैन्य बलों की ताकत विद्यमान थी। इराक बनाम ईरान जंग तकरीबन दस वर्षों तक निरंतर जारी रही और इस जंग में ईरान के तकरीबन दस लाख ईरानी नौजवान मारे गए थे। इराक वस्तुतः ईरान के विरुद्ध जंग को फतेह नहीं कर सका था।

एनर्जी मार्केट, सप्लाई चेन बिगड़ी

इस्लामी गणराज्य ईरान के दुर्दान्त लड़ाकू चरित्र को देखते हुए यह कहना अत्यंत मुश्किल है कि वर्तमान जंग का खात्मा जल्दी होने वाला है। दुर्भाग्य से यदि यह भीषण जंग दीर्घकाल तक खिंचती चली गई तो फिर अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ ही साथ समस्त विश्व के समक्ष के विकराल दुष्परिणाम उपस्थित हो जाएंगे। इस जंग के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट और सप्लाई चेन में अत्यंत उथल-पुथल व्याप्त हो गई है। दुष्कर हालत से प्रतीत हो रहा है कि वैश्विक आर्थिक संकट से अनेक देश निपटने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों को विशेष कर रूस और चीन को इस विभीषिका और अव्यवस्था के मध्य रणनीतिक और बेहतर आर्थिक अवसर भी हासिल हो रहे हैं। 28 फरवरी से निरंतर जारी जंग के दौरान ही तेल की क़ीमत आकाश को स्पर्श कर रही है। अभी तक की जंग से क्रूड तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर विध्वंसकारी हवाई आक्रमणों और होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह बंद किए जाने से तेल की कीमत और भी अधिक बढ़ सकती हैं।

क्रूड की कीमतों में इजाफा

तेल और गैस पर बरपा हुआ यह भीषण संकट जिस तरह से दक्षिण एशियाई मुल्कों में विकराल से आच्छादित हो रहा है, वैसा और कहीं नहीं बरप रहा है। पिछले वर्ष होर्मुज स्टेट से गुजरने वाले कुल तेल और गैस का लगभग 90 फ़ीसदी दक्षिण एशिया के इलाके में भेजा गया था। आम नागरिकों को अपने घरों का चूल्हा जलाने, गाड़ियों में ईंधन भरने, बिजली उत्पादन के लिए तेल व गैस पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। उद्योगों को संचालित करने के लिए कारोबारी जगत को भी तेल और गैस की बहुत बड़ी दरकार रहती है। विगत सप्ताह नागरिक विमानों में प्रयोग होने वाले तेल की कीमत तकरीबन 60 प्रतिशत बढ़ चुकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलिपींस, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया और भारत आदि दक्षिण एशिया के अनेक देश इस विकराल स्थिति का जबरदस्त दबाव और दंश झेल रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में भी पेट्रोल की औसत क़ीमत विगत दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक हो गई है और डीजल की कीमत भी एक तिहाई से अधिक बढ़ गई है।

भारत को ईरान से मिली राहत

वहीं ब्रिटेन में डीजल की कीमत 9 प्रतिशत अभी तक बढ़ गई है। यह ऐसा मसला है जिससे तकरीबन सभी देशों की सरकारें बेहद परेशान हैं। रूस से आयातित तेल को भारत रिफाइन प्रक्रिया करके यूरोप को सप्लाई करता रहा था। फिलहाल रूस द्वारा यूरोप के लिए तेल और गैस और सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है। पेट्रोल और गैस की किल्लत का असर केवल चीन पर कदाचित नहीं हो रहा है। एशिया के अन्य देशों की तुलना में चीन की बिजली उत्पादन क्षेत्र में तेल और गैस पर निर्भरता बहुत कम है। भारत के लिए राहत की खबर है कि भारत में ईरान के राजदूत के ऐलान के मुताबिक भारत को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित पैसेज प्रदान किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों के बाद भारत द्वारा ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद भारत और ईरान के मध्य व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बाकायदा मित्रतापूर्ण कायम रहे। भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारी भरकम निवेश किया गया है।

अमेरिका द्वारा भारत सहित अनेक देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए तीस दिनों की मोहलत प्रदान की गई है। इस अमेरिकन मोहलत की बदौलत ही रूस अपना खाली खजाना भर लेगा। अमेरिका के ईरान युद्ध में बुरी तरह से उलझ जाने के पश्चात यूक्रेन युद्ध में रूस को और अधिक कामयाबी हासिल हो सकती है। यूक्रेन को अब अमेरिकन हथियारों की सप्लाई बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। रूस से भारत सहित अनेक देशों को तेल खरीदने की मोहलत प्रदान करने से यूरोपीय यूनियन के देश अमेरिका से और अधिक नाराज हो गए। कनाडा और ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने आधिपत्य का दावा पेश करने के पश्चात यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के मध्य टकराव और तकरार शुरू हो गई थी।

खाद्य संकट छाने की आशंका

इस युद्ध में अपने पुराने नाटो सहयोगियों के मध्य अमेरिका अलग-थलग पड़ता जा रहा है। कृषि उत्पादन में फर्टिलाइजर्स का गहन अभाव हो जाने पर खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। भारत की दोस्ती वस्तुतः इजराइल और ईरान दोनों देशों के साथ कायम रही है। खाड़ी देशों में निवास कर रहे तकरीबन 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा की चिंता भी भारत सरकार को है। भारत समुचित कूटनीतिक पहल करे तो इस जंग को समाप्त कराने में वह जबरदस्त भूमिका का निर्वाह कर सकता है। खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

तेल, युद्ध और होर्मुज़ : हिल गई दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था

संघर्ष
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच खाड़ी में छिड़ी जंग ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को झकझोर दिया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर पड़ा है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य) पर-वह संकरा समुद्री रास्ता, जिससे दुनिया का करीब 20% तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) गुजरता है। जंग के कारण यह रास्ता लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से इन दिनों यह नाम खबरों में बार-बार सुनाई दे रहा है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति रुकावट बन चुकी है। खाड़ी क्षेत्र में तेल-गैस उत्पादन रोज़ाना करीब 1 करोड़ बैरल तक घट गया है। ईरान के हमलों से कई खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। नतीजा साफ है- तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ गया है और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

दुनिया पर असर : इस संकट की सबसे ज्यादा मार यूरोप और एशिया पर पड़ रही है, क्योंकि ये इलाके अपनी लगभग 90 फीसद ऊर्जा इसी रास्ते से आयात करते हैं। होर्मुज के लगभग बंद होने से तेल टैंकरों का आवागमन करीब 98 फीसद तक गिर गया है। इसका सीधा असर गैस बाजार पर भी पड़ा है। विकासशील देशों में ईंधन महंगा होने से खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं और उद्योगों की लागत बढ़ रही है। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक में उत्पादन रुकने से वैश्विक सप्लाई चेन में देरी और अनिश्चितता बढ़ गई है। यह संकट एक बड़ी सच्चाई भी उजागर करता है-दुनिया की अर्थव्यवस्था अब भी फॉसिल ईंधन (कोयला, तेल, गैस) पर बहुत ज्यादा निर्भर है। यह निर्भरता ऐसे छोटे-से "चोकपॉइंट" पर टिकी है, जो किसी भी समय संकट का कारण बन सकता है।

भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

भारत पर क्या असर : भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। अगर सप्लाई लंबे समय तक बाधित रही, तो देश में ईंधन की कमी का खतरा पैदा हो सकता है। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में सीमित अवधि का ही स्टॉक है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी, रुपया दबाव में आएगा और सरकारी बजट पर बोझ बढ़ेगा। इसका असर आम जिंदगी पर भी दिखने लगा है।

इससे हवाई यात्रा महंगी हो रही है, परिवहन लागत बढ़ रही है और देश भर में छोटे होटल, रेस्तरां और ढाबे तक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संकट के बीच भारत ने कुछ समझदारी भरे कदम भी उठाए हैं। रूस से तेल आयात बढ़ाकर करीब 40% कर दिया गया। इसके अलावा, स्पॉट मार्केट (जहां तुरंत खरीद-बिक्री होती है) से करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीदा गया।

आगे का रास्ता क्या : कम अवधि में सबसे जरूरी कदम है आयात के स्रोतों को विविध बनाना। भारत और दुनिया को अमेरिका, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ज्यादा तेल-गैस लाना होगा।लेकिन असली समाधान लंबी अवधि में है- साफ ऊर्जा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सौर , पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार शामिल है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा- परमाणु ऊर्जा का विस्तार और केजी बेसिन में घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाना भी है। ये सभी कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

खाड़ी की यह जंग एक साफ संदेश देती है- दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा बेहद नाजुक है। अगर पूरी व्यवस्था कुछ संकरे समुद्री रास्तों पर टिकी रहेगी, तो ऐसे संकट बार-बार आते रहेंगे। भारत के लिए भी यही सबक है: ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ना। विविध आयात, बड़े भंडार और हरित ऊर्जा में निवेश- यही भविष्य का रास्ता है। अगर सही फैसले लिए जाएं, तो यह संकट केवल खतरा नहीं बल्कि एक अवसर भी बन सकता है। एक ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनाने का अवसर, जो मजबूत हो, सुरक्षित हो और ज्यादा स्वतंत्र भी।

भारत के लिए कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती

चिंतन
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगा है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा जरूरतें और बड़ी संख्या में भारतीय कामगार खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्गों में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जो दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का यह एक महत्वपूर्ण रास्ता है। इससे आपूर्ति प्रभावित होने और माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर चिंता बढ़ी है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। भारत के निर्यात में इसकी लगभग 14 प्रतिशत और आयात में लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में यदि तनाव और बढ़ता है तो व्यापार के साथ ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। फिर भी भारत ने साफ कर दिया है कि वह जंग नहीं बल्कि शांति और कूटनीति का समर्थक है। हालांकि, भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा वैचारिक समानता पर आधारित नहीं रहे, बल्कि इनका मूल आधार व्यावहारिक हित और रणनीतिक जरूरतें रही हैं। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दे इससे जुड़े हैं। इसलिए भारत कोशिश कर रहा है कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखते हुए संतुलित नीति अपनाई जाए। फिर भी देखा जाए तो, पिछले दो दशकों में भारत ईरान के साथ अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाया। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका की प्रतिबंधात्मक नीतियां रही हैं। ईरान से जुड़ा हर बड़ा फैसला भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को ध्यान में रखकर लेना पड़ा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा। फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। इसके कारण स्पष्ट हैं। संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है। वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है। साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती। वहीं पश्चिम एशियाई क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं। यह समुदाय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हर साल लगभग सौ अरब डालर का योगदान देता है। यह वित्तीय प्रवाह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और ईरान के संबंध वैचारिक निकटता की बजाय पारस्परिक हितों पर आधारित रहे हैं। तीनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकातों ने यह सुनिश्चित किया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहे। अब पश्चिम एशिया के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में यह देखना अहम होगा कि यह रणनीतिक साझेदारी किस दिशा में आगे बढ़ती है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा। फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे।

युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे इसकी चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

औचित्य
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजराइली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां न सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। अब सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही,गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। सवाल यह है कि क्या वह अपने इस उद्देश्य में सफल है?

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखने को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देशय युद्धों को रोकना है, लेकिन न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है।

आश्चर्यजनक है चीन और रूस की चुप्पी !

दृष्टिकोण
डॉ. एन. के. सोमानी
स्वतंत्र स्तंभकार

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। पुरी दुनिया में भय, चिंता और अफर-तफरी का माहौल है। युद्ध की लंबी खिंचती अवधि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सनकी शासकों की सनक के परिणाम स्वरूप होने वाले युद्धों का आगाज तो आसान है, लेकिन अंजाम सरल नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा-इजराइल के थकाऊ और उबाऊ संघर्ष से निकलकर सामने आ रही खौफनाक तस्वीरों के बावजूद दुनिया के कथित 'बुचर ब्रदर्स' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास इजराइली राष्ट्रपति बैंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दुनिया को संकट में डाल दिया। दोनों पक्ष एक दूसरे के सिविल और सैन्य ठिकानों पर हमला कर नुकसान पहंचाने का दावा कर रहे हैं। वैश्विक शांति की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं और संगठनों ने ली हुई है, वह पूरी तरह से खामोश है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे हस्तक्षेप की धुंधली सी उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। हालांकि चीन और रूस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा की है। दोनों देशों की ओर से ईरान को कूटनीतिक और तकनीकी समर्थन दिए जाने की बात कही जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरम बहस में जहां एक ओर अमेरिका ने ईरान के साथ जारी जंग को सही ठहराने की कोशिश की। वहीं, दूसरी तरफ चीन और रूस ने ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और मौजूदा संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

चीन की भूमिका : ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुप्पी आश्चर्यजनक है। ईरान द्वारा इस्तेमाल की जा रही मिसाइलों और ड्रोन्स में चीनी बेडू नेविगेशन सिस्टम के उपयोग की खबरें आई है। चीन लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थक रहा है। सिंतबर 2025 में जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात हुई, उस वक्त जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थन करते हुए कहा था कि वह ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार का सम्मान करते है। ऐसे में सवाल यह है कि चीन की चुप्पी किसी दुविधा का परिणाम है या किसी दीर्घकालिक रणनीति का संकेत। कहीं ऐसा तो नहीं कि चीन मौजूदा संकट में कूटनीतिक अवसरों के जरिए अपने हितों को

कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं, लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

साधने की कोशिश में जुटा हो। अगर ऐसा है तो मध्यपूर्व में अमेरिका को काउंटर करने में ईरान की जो भूमिका रही, चीन की ओर से उसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। हो सकता है चीन अपनी ताइवान नीति के कारण ईरान के पक्ष में खुलकर आने से गुरेज कर रहा हो। बीजिंग अपनी 'वन चाइना पॉलिसी' में ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और वह पुनः इसे अपने देश का हिस्सा बनाना चाहता है। अमेरिका ताइवान की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। ताइवान की रक्षा हेतु अमेरिका उसे लगातार हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध करवाता है। अब चूंकि अमेरिका ईरान के साथ उलझा हुआ है। ऐसे में दोनों के बीच की तनातनी कूटनीति तौर पर चीन के लिए हितकर कही जा सकती है। पूरे मामले में तेल का भी अपना खेल है। चीन युद्ध के बीच ईरान से तेल खरीद की मात्रा बढ़ाकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। चूंकि चीन के कच्चे तेल आयात में ईरान की हिस्सेदार 12 फीसदी है। चीन निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। युद्ध के लंबे चलने से उसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकता है। संक्षेप में कंहें तो ईरान से तेल की आपूर्ति, मध्य पूर्व में अपने प्रभाव को बढ़ाने की लालसा और ताइवान कुछ ऐसे कारक है जिसके चलते चीन ईरान के पक्ष में खुलकर उतरने में हिचकिचा रहा है।

रूस की भूमिका: चीन की तरह मध्यपूर्व में रूस भी ईरान का अहम सहयोगी और सैन्य साझेदार है। हालांकि ईरान के मौजूदा संकट में उसका झुकाव ईरान की तरफ जरूर दिख रहा है लेकिन वह भी चीन की तरह सिर्फ निंदा और हमले की आलोचना करने तक सीमित है। उसने ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे संप्रभु राष्ट्र पर पूर्व-नियोजित और उकसावे वाली आक्रामकता कहा है, लेकिन युद्ध में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। दरअसल रूस स्वयं यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी यूक्रेन के साथ खड़े हैं। ईरान के साथ जंग शुरू होने से पहले अमेरिका के जो सैन्य संसाधन यूक्रेन में लग रहे थे, अब वे मध्यपूर्व में लग रहे हैं। इससे जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जो पैट्रियट मिसाइलें पहले यूक्रेन के बार्डर पर तैनात थी, अब उन्हें मध्यपूर्व में तैनात किया जा रहा है। यह यूक्रेन से मोर्चा ले रहे रूस के लिए फायदेमंद है। यही वजह है कि रूस ईरान के पक्ष में किसी तरह के सैन्य हस्तक्षेप के लिए आगे बढ़ने से झिझक रहा है। पुतिन के व्यक्तिगत तौर पर भी ट्रंप के साथ अच्छे संबंध है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच की कैमेस्ट्री बेहतर हुई है। हालांकि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के रूस के साथ अच्छे संबंध थे। वह रूस के साथ दीर्घकालिक सहयोग के समर्थक थे। वह पुतिन को भरोसेमंद साथी के रूप में देखते थे। यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान और रूस के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। ईरान ने रूस को ड्रोन तकनीक और अन्य हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में अयातुल्ला की शहादत रूस के लिए एक कूटनीतिक झटका है। कुल मिलाकर कहें तो रूस ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का तो समर्थन करता है लेकिन वह मौजूदा संघर्ष में केवल 'मध्यस्थ' के रूप में दिखना चाहता है, न कि सक्रिय भागीदार के रूप में ।

विपक्ष की मांग सरकार तैयार

पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी केंद्र की थी चुप्पी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा।

नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा हो

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलहाल इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

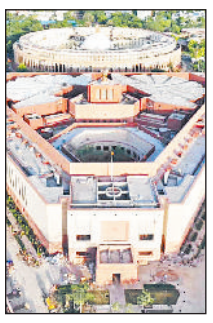

28 और 29 मार्च को होगी संसद की बैठक

बीएसी की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संसद के दोनों सदन 28 और 29 मार्च को बैठेंगे, ताकि लंबित विधायी कार्यों को पूरा किया जा सके। अगले सप्ताह संसद में 19 से 22 मार्च तक चार दिन का अवकाश रहेगा, क्योंकि उस अवधि में उगादी और ईद के त्योहार पड़ रहे हैं।

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी

सूत्रों के अनुसार सरकार लंबित इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (संशोधन) विधेयक को पारित कराने के लिए प्रयासरत है। यह विधेयक पिछले वर्ष अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक का उद्देश्य दिवाला प्रक्रिया में देरी को कम करना, सभी हितधारकों के लिए मूल्य को अधिकतम करना तथा पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज पर भी हो सकती है चर्चा

बैठक में सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।

18 मार्च को अनुदान मांगों पर गिलोटिन की संभावना

लोकसभा 18 मार्च को उन मंत्रालयों की अनुदान मांगों को गिलोटिन के माध्यम से पारित कर सकती है, जिन पर अब तक चर्चा नहीं हो पाई है। तय समय सीमा के भीतर बिना विस्तृत बहस के कई अनुदान मांगों को एक साथ पारित कर दिया जाता है।

निलंबित सांसदों के मुद्दे पर भी गरमाई राजनीति

विपक्ष ने बैठक में लोकसभा अध्यक्ष से यह भी आग्रह किया कि जिन विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है, उनका निलंबन वापस लिया जाए। ये सांसद 3 फरवरी से संसद परिसर में स्थित मकर द्वार के बाहर धरना दे रहे हैं। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों का कहना है कि निलंबन वापस लेने के मुद्दे पर सोमवार को फैसला हो सकता है।

पश्चिम एशिया संकट पर संसद में नजर

कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

खबर संक्षेप

लॉरेंस गैंग ने रैपर बादशाह को दी धमकी

नई दिल्ली। लॉरेंस गैंग ने रैपर बादशाह को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर धमकी दी है।

रणदीप मलिक अनिल पंडित नाम के सोशल मीडिया पेज पर धमकी भरी यह पोस्ट डाली गई है। पोस्ट में रैपर बादशाह के टटीरी गाने का जिक्र करते हुए लिखा गया है कि गाने से हरियाणा की संस्कृति को खराब करने का प्रयास किया गया है। इस बार सीधा तेरे माथे में गोली मारेंगे।

एनडीए से गठबंधन नहीं करेगी टीवीके पार्टी

चेन्नई। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

(राजग) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से शनिवार को इनकार किया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों से इनकार कर दिया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत हो रही है।

मर्डर करके पुलिस के सामने पहुंच गया पति

कल्याण। महाराष्ट्र में कल्याण के उंबर्डे परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति

ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद नासिक गया और सरकारवाड़ा थाने में जाकर पुलिसकर्मियों को हत्या करने की बात बताई। पुलिस को यकीन नहीं हुआ। नासिक पुलिस ने कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस से फौरन संपर्क किया।

10 साल बाद हत्या की आरोपी मां-बेटी अरेस्ट

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर कोई दंग है। 2016

में एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर फरार हुई दो महिलाओं को पुलिस ने करीब एक दशक बाद गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ी गई आरोपियों की पहचान दिल्ली के नांगलोई की रहने वाली परवीन बानू और उसकी बेटी सकीना फातिमा के रूप में हुई है।

जय माता दी... शर्मा ने वैष्णो देवी में टेका माथा

रियासी। भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल जिताने में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अहम रोल रहा

है। आईसीसी टी20 रैंकिंग के नंबर-1 बल्लेबाज शर्मा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी में पवित्र वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। ऐतिहासिक जीत के हीरो में से एक रहे अभिषेक ने तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए 'जय माता दी' लिखा।

प्रधानमंत्री ने कोलकाता में भाजपा के परिवर्तन यात्रा अभियान के समापन पर रैली को किया संबोधित

टीएमसी सरकार ने बंगाल की हालिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति का किया अपमानः पीएम मोदी

टीएमसी सरकार पर राज्य में 'महा जंगलराज' लाने का लगाया आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता में भाजपा के परिवर्तन यात्रा अभियान के समापन पर समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बंगाल की हालिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति का अपमान किया। भाजपा की एक विशाल रैली के दौरान सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान को स्वीकार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बंगाल की हालिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति का अपमान किया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में राजनीतिक परिवर्तन अपरिहार्य है और उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर राज्य में महा जंगलराज लाने का आरोप लगाया।

बंगाल में कई योजनाएं ठप

पीएम ने कहा कि टीएमसी न तो खुद काम करती है और न ही दूसरों को काम करने देती है। बंगाल में कई केंद्रीय योजनाएं ठप पड़ी हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर लोगों को लाभ पहुंचाने वाली परियोजनाओं को रोकने का आरोप लगाया।

बंगाल में न डिग्री मिल रही, न नौकरियां

बंगाल में युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कई युवा अवसरों की तलाश में बंगाल छोड़ने को मजबूर हैं। उन्होंने रैली के दौरान कहा कि बंगाल के युवा पलायन के अभिशाप से पीड़ित हैं। उन्हें न तो डिग्री मिल रही है और न ही नौकरियां।

रैली में अभिवादन करते प्रधानमंत्री

ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में मोदी की हुंकार

टीएमसी के पतन की उलटी गिनती शुरू

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह निरंकुश सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, परिवर्तन की इस आंधी को रोक नहीं पाएगी। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में सत्ताधारी पार्टी के पतन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को रोककर राज्य में विकास में बाधा डाल रही है।

कानून का कड़ा शासन लागू होगा

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में राजनीतिक परिवर्तन होते ही कानून का कड़ा शासन फिर से लागू होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में फिर से कानून का शासन होगा। अत्याचारों के आरोपी टीएमसी नेताओं को बख्शा नहीं जाएगा।

आदिवासी राष्ट्रपति के सम्मान को नहीं स्वीकारा

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले, हमारी देश की राष्ट्रपति, आदिवासी समुदाय की सम्मानित पुत्री, द्रौपदी मुर्मू जी बंगाल आई थीं। उन्हें संथाल आदिवासी परंपरा के पवित्र उत्सव में भाग लेना था, लेकिन इस अहंकारी और निर्दयी सरकार ने न केवल उस कार्यक्रम का बहिष्कार किया, बल्कि उसे पूरी तरह अराजकता में बदल दिया। उन्होंने आगे कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन एक आदिवासी नेता को दिए गए सम्मान को स्वीकार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि क्योंकि आदिवासी समुदाय की पुत्री इतने उच्च पद पर हैं, इसलिए टीएमसी के लोग उनके सम्मान को स्वीकार नहीं कर सके।

कटमनी न मिलने से टीएमसी सरकार रोक रही योजनाएं

पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल पा रहा है। आपके बेटे-बेटियों को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और अब टीएमसी... ये आते रहे... अपनी जेबें भरते रहे... और बंगाल में विकास के काम ठप रहे। ये टीएमसी वाले काम नहीं करने देंगे। जब तक इनको अपना कटमनी नहीं मिल जाता, ये किसी भी योजना को बंद कर देते हैं।

राष्ट्रपति का अपमान किया

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी ने राष्ट्रपति का अपमान किया। टीएमसी वाले घुसपैठियों को बुलाते हैं। ये लोग ना काम करेंगे और ना ही करने देंगे। मोदी की गारंटी है कि युवाओं का सपना पूरा करेंगे। जब तक टीएमसी को अपना हिस्सा नहीं मिलता, तब तक योजनाओं को गरीब तक नहीं पहुंचने देते।

रैली से पहले भिड़ी टीएमसी-भाजपा

झड़प, पत्थरबाजी में कई लोग घायल

पीएम मोदी के कोलकाता दौरे से पहले भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच शहर गिरीश पार्क इलाके में भिड़ंत हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर भी फेंके। घटना में कई लोगों के चोटिल होने की खबर भी सामने आ रही है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मामले को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

असम को दी 24 हजार करोड़ की सौगात

कांग्रेस का दिमाग जहां से लॉक तो वहीं से हमारा काम अनलॉक

सिलचर में पीएम मोदी

सिलचर। असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है।

बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनेगी बराक घाटी

पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर से गुवाहाटी से सिलचर यात्रा का समय 5 घंटे रह जाएगा। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/समाडि/को0, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु बिड सिस्टम आधारित खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम:** 09-2026-CW "सप्लाई एण्ड एप्लीकेशन ऑफ रेट्रोरिफलेक्टिव स्टिकर्स ऑन डिफरेन्ट टाइप्स ऑफ डेस्टीनेशन बोर्ड्स एण्ड इंडीकेशन बोर्ड्स (एज पर द ड्राइंग न0 जी/एसडी 3–1423, जी/एसडी 3–1424, जी/एसडी 3–1425, एण्ड जी/एसडी 3–1426) इन्सटॉल्ड ऑन द कोचेज ऑफ एलजेएन डिवीजन इन ए पीरियड ऑफ 01 एयर।" **अनुमानित लागत (रु. में) :** 46,86,237.84 **अग्रिम धनराशि (रु.में):** 93,700.00 **निविदा की अवधि:** 01 वर्ष। ● ई–निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 07.04.2026, 15:00 बजे तक एवं यह ई–निविदा दिनांक 07.04.2026 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। ● इस ई–निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्तें, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। ● निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें। **वरि. मंडल यांत्रिक इंजी./समाडि/को. मुजाधि/यांत्रिक–156** लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कांग्रेस सांसद सैलजा ने हरियाणा में कैंसर के बढ़ते मामलों पर जताई चिंता

हरियाणा में करीब 50 लोगों की प्रतिदिन मौत

सरकार इस गंभीर समस्या को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा रहीः कुमारी सैलजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ अब हरियाणा भी तेजी से कैंसर प्रभावित प्रदेश बनता जा रहा है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि पंजाब में प्रतिदिन औसतन 68 लोगों और हरियाणा में लगभग 50 लोगों की मृत्यु कैंसर के कारण हो रही है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि

उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र सिरसा और आसपास के क्षेत्रों में कैंसर के बढ़ते मामलों का मुद्दा संसद में भी उठाया है और लगातार इसके प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करती रही हैं। इसके बावजूद सरकार इस गंभीर समस्या को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से घग्गर नदी के किनारे बसे गांवों में कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। घग्गर नदी में बढ़ता प्रदूषण, जल स्रोतों की खराब गुणवत्ता, औद्योगिक अपशिष्ट और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग इस समस्या के प्रमुख कारण बन रहे हैं। यदि समय रहते इन कारणों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और भयावह हो सकती है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को घग्गर नदी के प्रदूषण को रोकने और उसकी सफाई के लिए ठोस एवं कारगर कदम उठाने चाहिए। साथ ही घग्गर के किनारे बसे जिलों सिरसा, फतेहाबाद, जींद, कैथल और अंबाला के नजदीकी शहरों में कैंसर के उपचार के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएँ और आधुनिक कैंसर अस्पताल स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके और उन्हें दूर-दराज के बड़े शहरों में भटकना न पड़े।

आईटी डिपार्टमेंट ने दिया स्पष्टीकरण

टैक्सपेयर्स को मिले गलत ई-मेल विभाग के साथ हल निकाला जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टैक्सपेयर्स को 'महत्वपूर्ण लेनदेन' से जुड़े गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने के मामले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने स्पष्टीकरण दिया है। विभाग ने शनिवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस पोस्ट में स्वीकार किया कि टैक्सपेयर्स को गलत जानकारी वाले ईमेल मिले हैं और इसके लिए विभाग ने टैक्सपेयर्स को हुई असुविधा के लिए खेद भी प्रकट किया है।

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **शमीमा परवीन,** पत्नी नसीम, निवासी सी-35, गली नंबर 2/3, चौहान बंगेर, न्यू सीलमपुर, उत्तर-पूर्वी दिल्ली ने थाना शाहदरा, दिल्ली में ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 80039913/25 धारा 304(2) / 317(2) / 3(5) भारतीय न्याय संहिता थाना शाहदरा, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शमीमा परवीन** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शमीमा परवीन** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 80039913/25 धारा 304(2) / 317(2) / 3(5) भारतीय न्याय संहिता थाना शाहदरा, दिल्ली की उक्त अभियुक्ता **शमीमा परवीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **25.04.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री मोहित शर्मा,
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी,
कमरा संख्या 59, तीसरी मंजिल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

DP/3232/SHD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अभिषेक** पुत्र प्रेम कुमार निवासी सी–1681, जहांगीरपुरी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 385/20 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अभिषेक** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अभिषेक** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 385/20 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **अभिषेक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **17.04.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री ज्योति नैन,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07 (उत्तर–पश्चिम)
न्यायालय संख्या 06, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली.

DP/3152/NW/2026

भारत में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

हरीश राणा एम्स लाए गए, अब धीरे-धीरे हटेगा लाइफ सपोर्ट

एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/गाजियाबाद

जिले के राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज एंपायर सोसाइटी के निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट कर दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीएमओ की देखरेख में की गई यह भारत में पहला ऐसा मामला है जहां सुप्रीम कोर्ट ने किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु की अनुमति दी है।

वर्ष 2013 से कोमा में हैं हरीश

हरीश 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में हैं।13 वर्षों से वे अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में लाइफ सपोर्ट हटाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है।एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी हरीश के ठीक होने की कोई संभावना नहीं बताई गई थी।

एम्स निदेशक ही जारी करेंगे बयान

बताया जा रहा कि उन्हें गाजियाबाद से एम्स तक एक ऐसे वाहन में लाया गया जिसमें एंबुलेंस की सुविधाएं तो थीं लेकिन बाहर से कोई प्रतीक नहीं था। डॉक्टरों का कहना है कि हरीश राणा को एम्स लाने में जीवन रक्षक प्रणाली की जरूरत नहीं थी।

पैलिएटिव केयर को जानें

पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और उसकी जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाना होता है। बीमारी को ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। डॉक्टर, नर्स, काउंसलर मरीज और उसके परिवार की सहायता करते हैं।

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए—क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है। बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट | वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्रोत बनाएं

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।

खिलाड़ी की ताकत का खजाना संतुलित आहार और भरपूर पानी

रोहित डागर ⏭रोहतक

खेल के मैदान में जीत हासिल करने के लिए केवल पसीना बहाना ही काफी नहीं है। खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के पीछे सही पोषण, संतुलित आहार और शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा भी अहम भूमिका निभाती है। खेल पोषण विशेषज्ञों के अनुसार यदि खिलाड़ी अपनी डाइट और हाइड्रेशन को लेकर अनुशासित रहता है, तो उसकी ताकत, सहनशक्ति और प्रदर्शन तीनों में सुधार होता है। स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट शिल्पा आर्य के अनुसार खिलाड़ी की फिटनेस और प्रदर्शन सीधे तौर पर उसके खान-पान और अनुशासन से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि "जैसा अन्न, वैसा मन और वैसा ही खेल।" यदि खिलाड़ी अपनी डाइट और पानी के सेवन को लेकर अनुशासित रहता है तो उसकी क्षमता बढ़ती है और चोट (इंजरी) का खतरा भी कम हो जाता है। इसलिए पसीने के साथ संतुलित आहार और भरपूर पानी खिलाड़ी की ताकत खजाना माना जाता है।

स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट शिल्पा बोलीं, सही हाइड्रेशन से बढ़ती है क्षमता

डाइट में अनुशासन रखने से प्रदर्शन बेहतर और इंजरी का खतरा कम

हर उम्र के खिलाड़ियों के लिए अलग डाइट प्लान जरूरी

ट्रेनिंग से पहले, दौरान और बाद में सही खान-पान से मिलती है बेहतर रिकवरी

बॉक्सिंग कोच हुड्डा बोले, डिब्बे वाले प्रोटीन से बेहतर प्राकृतिक आहार

उम्र के अनुसार डाइट

⏭5 से 10 वर्ष (विकास चरण): इस उम्र में मुख्य ध्यान शारीरिक विकास और रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) पर होता है। आहार में 50-55% कार्बोहाइड्रेट, 15-20% प्रोटीन और 30% स्वस्थ वसा होनी चाहिए। लड़कियों के लिए कैल्शियम, आयरन और विटामिन-डी युक्त आहार जैसे दूध, दही, पनीर और अंडे अनिवार्य हैं।

⏭10 से 17 वर्ष (सघन प्रशिक्षण): यह तेजी से बढ़ने की उम्र है। इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ाकर 60% कर देनी चाहिए। मांसपेशियों की रिकवरी के लिए शरीर के वजन के अनुसार प्रति किलोग्राम 1.2 से 1.5 ग्राम प्रोटीन और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स की आवश्यकता होती है।

⏭17 से 23 वर्ष (प्रोफेशनल चरण): इस स्तर पर वजन प्रबंधन और मांसपेशियों की शक्ति सर्वोपरि है। इस स्तर पर खिलाड़ी पेशेवर प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। रिकवरी और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स, एंटीऑक्सीडेंट और मैग्नीशियम का संतुलित उपयोग किया जाता है कार्बोहाइड्रेट 60 से 65 प्रतिशत, प्रोटीन 15 से 20 प्रतिशत, वसा 20 से 25 प्रतिशत।

हरिभूमि विशेष

23 वर्ष से अधिक, ट्रेनिंग के तीन चरण और खान-पान

समय	क्या खाएं
⏭ट्रेनिंग से पहले	हल्का भोजन – फल, ब्रेड-जैम, बनाना शेक
⏭ट्रेनिंग के दौरान	नींबू पानी, फलों का रस, ओआरएस
⏭ट्रेनिंग के बाद	दूध, पीनट बटर, ड्राई फ्रूट्स, घर का बना प्रोटीन शेक

जरूरी टिप्स

⏭पसीना आने पर तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट लें।
⏭ट्रेनिंग से पहले हल्का और जल्दी पचने वाला भोजन करें।
⏭ट्रेनिंग के बाद प्रोटीन युक्त आहार लें।
⏭बाजार के सप्लीमेंट डॉक्टर की सलाह से ही लें।
⏭ज्यादा जंक फूड न खाएं, ट्रेनिंग के तुरंत बाद भारी और तला भोजन न लें।

यूरिन कलर चार्ट की करें जांच

गर्मियों के मौसम में खिलाड़ियों के लिए शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। खिलाड़ी 'यूरिन कलर चार्ट' के माध्यम से स्वयं की जांच करें। यदि यूरिन का रंग गहरा पीला है, तो यह निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) का संकेत है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को तुरंत 700 मिलीलीटर से 1 लीटर तक पानी पीना चाहिए। हर आयु वर्ग के खिलाड़ी की शारीरिक आवश्यकताएं अलग होती हैं, इसलिए उनके लिए व्यक्तिगत डाइट चार्ट तैयार करना आवश्यक है।

बाहरी सप्लीमेंट्स से बचें

बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा के अनुसार बच्चों को खेल की शुरुआत लगभग 8 वर्ष की आयु से कर देनी चाहिए ताकि 12 वर्ष की उम्र तक वे खेल की बुनियादी तकनीक और कौशल सीख सकें। उन्होंने बताया कि बाजार में मिलने वाले प्रोटीन सप्लीमेंट कई बार मिलावटी हो सकते हैं, इसलिए खिलाड़ियों को इनका सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। खिलाड़ियों को बाहरी सप्लीमेंट्स के बजाय प्राकृतिक और देशी आहार जैसे दूध, बादाम, सोयाबीन और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों पर भरोसा करना चाहिए। यह शरीर के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ अधिक प्रभावशाली भी होते हैं।

इंडियन वेल्स मास्टर्स : लिंडा को 6-3, 6-4 से हराया

एलेना और आर्यना में आज होगा खिताबी मुकाबला

सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर फाइनल में एंट्री

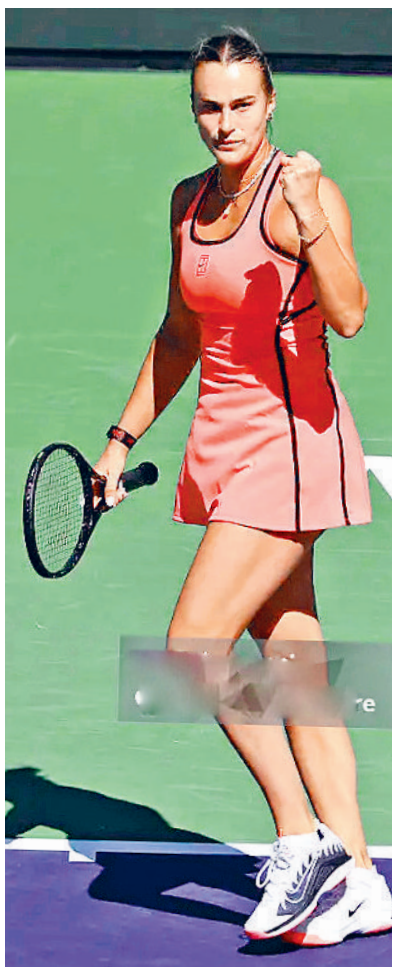

एजेंसी ⏭ मुंबई

आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच 1 घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

सबालेंका के कॅरियर की 20वीं जीत

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं, जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इस साल मेरा दबदबा रहे

सबालेंका ने कहा, ' मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।' सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से 5-7, 7-6(7), 5-10 से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया।लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली। इस मैच में हार के बावजूद इस टूर्नामेंट में 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

रयबाकिना ने स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया

रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी।

द्रविड़, बिन्नी और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है, जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है। इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन को मिलेगा पॉली उमरीगर पुरस्कार

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। वहीं बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे।

विजेताओं की लिस्ट

- पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25 : श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर– स्मृति मंधाना
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 महिला – दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला- 2024-25 – स्मृति मंधाना
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- महिला – श्रीचरणी
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- पुरुष – हर्षित राणा
- 2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
- 2023-24 में घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ अंपायर- उल्हास गांधे
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड : 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले – एलीट ग्रुप – हर्ष दुबे (विदर्भ)

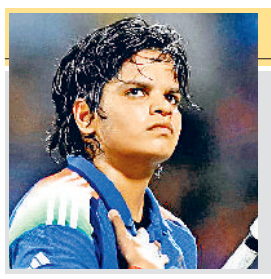

शेफाली और म्हात्रे को किया जाएगा पुरस्कृत

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह का एक बड़ा आकर्षण हाल ही में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा, जिसमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026, महिला विमेंस क्रिकेट विश्व कप 2025, और पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीमें शामिल हैं।

खबर संक्षेप

खिलाड़ियों के डाइट सप्लीमेंट पर खेल मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली। भारत के डोपिंग में खराब रिकार्ड को देखते हुए खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को खिलाड़ियों के लिए तैयार किए गए पोषण और खाद्य पूरकों की उचित जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, ' यह कदम दूषित, मिलावटी या गलत लेबल वाले पोषण संबंधी सप्लीमेंट से खिलाड़ियों का प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।'

लोकेश ने लगाई 8.21 मीटर की छलांग, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

- लोकेश का लंबी कूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया। लोकेश ने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न मिसिसिपी के डी ऑन्ड्रे वार्ड को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8.20 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी के ताफदज़वा चिकोम्बा 8.15 मीटर की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर रहे।

महिला एशियाई कप

चीन ने ताइवान को हराया सेमीफाइनल में प्रवेश

पर्थ। मौजूदा चैंपियन चीन ने ताइवान को 2-0 से हराकर 2027 विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के साथ महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। चीन और ताइवान के बीच भू-राजनीतिक तनाव है और दोनों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद अतिरिक्त समय के तीसरे ही मिनट में शाओ जिकिन ने गोल करके मैच का पहला गोल किया और फिर आखिर में एक आत्मघाती गोल से चीन का दूसरा गोल हुआ। वहीं शुक्रवार को हुए मुकाबले में सैम केर ने एक गोल किया और एक गोल में मदद की, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने उत्तर कोरिया को 2-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली।

नई जर्सी में नजर आएंगे केकेआर के खिलाड़ी, दिखाई देगा गोल्डन पैच

आईपीएल : 29 मार्च को केकेआर का पहला मैच मुंबई इंडियंस के साथ

एजेंसी ⏭ मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी नई जर्सी लॉन्च की। जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैच लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे। जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब जीता। 2012 व 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस फ्रेंचाइज ने खिताब जीता। 2021 में उसे फाइनल में हार मिली थी। केकेआर आगामी सीजन से पहले 18 मार्च से कोलकाता में प्री सीजन ट्रेनिंग शुरू करेगी। एक दिन पहले से खिलाड़ी इसके लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। सबसे पहले तेजस्वी सिंह, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, प्रशांत सोलंकी और सार्थक रंजन जैसे अनकैप्ड खिलाड़ी कैंप का हिस्सा बनेंगे। रहाणे, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती एक-दो दिन की देरी से केकेआर के कैंप में शामिल होंगे। केकेआर से पहले पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स ने भी नई जर्सी जारी की थी। साथ ही पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च की।

मयंक ने रचा इतिहास बने भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे।

धोनी का आईपीएल में यह अंतिम सत्र हो सकता है: पठान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर (मार्गदर्शक) की भूमिका निभा सकते हैं।

ऊपर वाले से मिला वरदान
मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
गुरू कबीर जी
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसे:- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पांच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त

मन्नेपल्ली ने गिंटिंग को दी कड़ी चुनौती, लेकिन जीत से चूके

एजेंसी ⏭ बासेल

भारत के थारुन मन्नेपल्ली के इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग से तीन गेम तक चले क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में हारने के साथ ही स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी मन्नेपल्ली को 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट में गिंटिंग से 19-21 21-19 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

गिंटिंग ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

चोट से उबरकर गिंटिंग ने की वापसी

गिंटिंग पिछले साल पीठ की समस्या से परेशान रहे थे और वह इस चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। गिंटिंग ने शुरुआत में ही 6-2 की बढ़त बना ली, हालांकि मन्नेपल्ली ने वापसी करते हुए स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने 16-12 की बढ़त बनाई और फिर चार गेम प्वाइंट हासिल किए। मन्नेपल्ली ने तीन गेम प्वाइंट बचाए लेकिन इंडोनेशिया का खिलाड़ी पहला गेम जीतने में सफल रहा।

मैच को निर्णायक गेम तक खींचा

दूसरे गेम में मन्नेपल्ली ने 6-6 की बराबरी से आगे निकलते हुए पहले 11-7 और फिर 19-13 की बढ़त हासिल कर ली। गिंटिंग ने इसके बाद शानदार वापसी की और लगातार छह अंक हासिल कर 19-19 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और मैच को निर्णायक गेम तक खींच दिया। तीसरे गेम में गिंटिंग ने मन्नेपल्ली को बहुत कम मौके दिए। उन्होंने शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ईरान के 90 से अधिक सैन्य ठिकानों पर किया हमला

समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए ईरान प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा

अब ईरान अमेरिकी तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगा

ईरान के खर्ग द्वीप की उपग्रह से ली गई तस्वीर

खर्ग द्वीप पर अमेरिका द्वारा किए हमले

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े।

नौसैनिक खदान और मिसाइल भंडारण बंकर नष्ट

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार रात ईरान के खर्ग द्वीप पर एक व्यापक और सटीक हमला किया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने खारग द्वीप पर ईरान के 90 से ज़्यादा सैन्य ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया और तेल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखा। अमेरिकी सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस हमले में नौसैनिक खदान भंडारण सुविधाएं, मिसाइल भंडारण बंकर और कई अन्य सैन्य स्थल नष्ट हो गए।

अमेरिका को नहीं छोड़ेंगे: ईरान

ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि यदि उसके तेल ढांचे पर हमला किया गया तो वह क्षेत्र में अमेरिकी हिस्सेदारी वाली तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगी। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सभी ठिकानों को नष्ट कर दिया जाएगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खार्ग द्वीप पर ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है।

खर्ग द्वीप ईरान की जीवनरेखा

यहां से 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है

खर्ग द्वीप ईरान की जमीन से करीब 50 किमी दूर फारस की खाड़ी में स्थित है। सिर्फ 6 से 8 किमी लंबे इस द्वीप को कूटनीतिक तौर पर ईरान की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान द्वारा निर्यात किया जाने वाला लगभग सारा तेल इसी द्वीप से गुजरता है। खर्ग द्वीप, ईरान का सबसे संवेदनशील आर्थिक इलाका है। इसकी वजह है यहां के तेल निर्यात टर्मिनल, जहां से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति की जाती है। इस द्वीप से ईरान का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है। यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता है। कच्चे तेल के व्यापार का केंद्र होने के नाते यह द्वीप ईरान की सरकार की आय का मुख्य स्त्रोत बन जाता है, जिससे ईरानी नौकरशाही और ईरान की सेना के वेतन का भुगतान होता है। इस द्वीप पर बड़े स्टोरेज टैंक हैं और यह द्वीप समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए दक्षिणी ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा है। यही वजह है कि इस द्वीप को ईरान की जीवनरेखा भी कहा जाता है।

ईरान ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की 46वीं लहर शुरू की

ईरान के खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता एब्राहीम जोल्फाघरी ने शनिवार को टीवी पर संदेश जारी करते हुए कहा कि अमेरिका और जायनिस्ट हर उस खून की कीमत चुकाएंगे जो अन्याय से बहाया गया और हुए नुकसान का मुआवजा देंगे। जोल्फाघरी ने बताया कि ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम्स ने देश के आकाश की रक्षा के तहत कई ड्रोन नष्ट किए हैं। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद और बंदर अब्बास में दो एमक्यू9 ड्रोन और तब्रिज के आसमान में एक ड्रोन को रोककर गिराया गया। उन्होंने दावा किया कि अब तक कुल 112 ड्रोन और लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं, जिनमें लड़ाकू, निगरानी और सुसाइड ड्रोन शामिल हैं।

इजराइली हमले से लेबनान में 2 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल के हवाई हमले में दो स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मंत्रालय के अनुसार हमला एक संयुक्त मेडिकल पॉइंट पर हुआ, जिसे इस्लामिक हेल्थ अथॉरिटी और इस्लामिक मैसेज स्काउट्स मिलकर चला रहे थे। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा देना अंतरराष्ट्रीय कानून में स्पष्ट रूप से तय है, इसके बावजूद पैरामेडिक्स को निशाना बनाना बेहद खतरनाक और अस्वीकार्य कदम है।

सऊदी अरब में एयर बेस पर ईरान का हमला, 5 अमेरिकी विमान क्षतिग्रस्त

सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के हमले में क्षतिग्रस्त अमेरिकी लड़ाकू विमान

ईरान ने सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को भी निशाना बनाया और खूब बम बरसाए। इन हमलों में वहां खड़े पांच अमेरिकी वायु सेना के पांच रिफ्यूअलिंग (तेल भरने वाले) विमान क्षतिग्रस्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, विमान पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और उन्हें मरम्मत के लिए भेजा गया है। हमले में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर पर ईरानी हमला

बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतास के परिसर के अंदर एक मिसाइल आकर गिरी, जिससे वहां के हेलिपैड को निशाना बनाया गया। इस हमले की जानकारी दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने दी है। शनिवार सुबह दूतावास परिसर के ऊपर धुएं का गुबार उठता हुआ दिखाई दिया।

भारत में ईरान के प्रतिनिधि बोले

हम युद्ध नहीं चाहते, वैश्विक नेता जंग रुकवाएं

पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने स्पष्ट किया है कि ईरान युद्ध नहीं चाहता था। इलाही ने आरोप लगाया कि जब वे बातचीत की मेज पर थे, तब उन पर हमला किया गया और इसी से इस युद्ध की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि ये वैश्विक समस्याएं और संघर्ष ईरान की वजह से नहीं हैं, बल्कि दूसरे पक्ष द्वारा पैदा किए गए हैं। ईरान दूसरे लोगों की पीड़ा, गैस, पेट्रोल या तेल की कमी से खुश नहीं है। इलाही ने दुनिया के नेताओं से अपील की कि यह उनका कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका पर दबाव डालें। उन्होंने आग्रह किया कि वैश्विक नेता अमेरिका से कहें कि इस युद्ध को रोका जाए, क्योंकि लोग पीड़ित हैं।

ट्रंप के धार्मिक पैनल से मुस्लिम महिला ने दिया इस्तीफा

व्हाइट हाउस धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में सेवा देने वाली एक मात्र मुस्लिम महिला समीरा मुंशी,ने इस्तीफा दे दिया है, जिन्हें 2025 में ट्रंप ने नियुक्त किया था। समीरा ने घोषणा की कि वह ट्रंप प्रशासन के अन्याय और अत्याचारों के कारण पद छोड़ रही है। ये अत्याचार अमेरिका और विदेशों, दोनों जगह पर हो रहे हैं। एक्स पर उन्होंने कहा कि वह ईरान के खिलाफ अमेरिका सरकार के अवैध युद्ध से बहुत परेशान हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह सैन्य कार्रवाई अमेरिका संविधान या कांग्रेस की उचित मंजूरी के बिना शरू की गई थी।

मोजतबा खामेनेई पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम

अमेरिका के 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' कार्यक्रम ने तहत ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई समेत 10 शीर्ष नेताओं की जानकारी देने पर 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपए) तक का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग का आरोप है कि ये नेता आईआरजीसीके जरिए आतंकवादी गतिविधियों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों से जुड़े नेटवर्क का संचालन करते हैं। खामेनेई के अलावा सूची में अली लारीजानी, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी और पूर्व संसद अध्यक्ष; एस्कंदर मोमेनी, ईरान के वर्तमान गृह मंत्री; इस्माइल खतीब, खुफिया और सुरक्षा मंत्री; अली असगर हेजाजी, दिवंगत अली खामेनेई के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ भा शामिल हैं।

खबर संक्षेप

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका, सब सुरक्षित

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम के एक यहूदी स्कूल में शनिवार की सुबह हुए विस्फोट ने शहर को हिलाकर रख दिया। एम्स्टर्डम की मेयर फेमके हलसेमा ने इसे यहूदी समुदाय के खिलाफ जानबूझकर हमला करार दिया। शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित इस उच्च वर्ग के आवासीय इलाके में हुए विस्फोट से स्कूल को सीमित नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। पुलिस जांच में जुट गई है।

ट्रंप समर्थक लूमर ने भारत से मांगी माफी

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और कट्टर ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने पूर्व में भारत और भारतीयों के लिए की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा ने कहा कि उनके दिल में भारत के लिए नफरत नहीं है और उन्होंने जो भी कहा, वह अपने देश और देशवासियों के प्रति प्यार के चलते कहा।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण का दावा

अरुणाचल में 189 वर्षों बाद दुर्लभ पौधे की प्रजाति मिली, सीएम ने दी 'बधाई'

एजेंसी ▶▶ ईटानगर

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों को अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति 189 साल बाद दिखी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह प्रजाति 189 वर्ष पहले लोहित जिले में एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान अंतिम बार दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि 'हेंकेलिया मोनोफिला' नामक इस प्रजाति का दस्तावेजी उल्लेख 19वीं सदी की शुरुआत के बाद से नहीं मिला था इसलिए यह खोज पूर्वी हिमालय के वानस्पतिक अभिलेखों में एक महत्वपूर्ण योगदान है। हेंकेलिया मोनोफिला एक बारहमासी शाकीय पौधा है जो आमतौर पर आर्द्र वन वातावरण में पाया जाता है। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने 189 साल बाद यह प्रजाति मिलने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। सीएम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति हेंकेलिया मोनोफिला के लगभग 189 वर्षों के बाद फिर से मिलने के बारे में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई।

मस्क की टीम में शामिल हुए भारतीय मूल के देवेंद्र चपलोट

नई दिल्ली। भारतीय मूल के एआई और रोबोटिक्स विशेषज्ञ देवेंद्र चपलोट दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के साथ काम करेंगे। एलन मस्क ने उन्हें अपनी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप एक्सएआई की टीम में शामिल किया है। देवेंद्र चपलोट ने बताया कि वह एलन मस्क की टीम के साथ मिलकर 'सुपरइंटेलिजेंस' बनाने के लिए काम करेंगे।

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा पहुंचा

भारत-माल्टा समुद्री संबंधों को मिली मजबूती, आपसी सहयोग बढ़ेगा

माल्टा से पहले स्वेज नहर पार की, अगला पड़ाव फ्रांस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी 12 मार्च 2026 को माल्टा के ऐतिहासिक बंदरगाह वैलेटा पहुंचा। यह उसके ऐतिहासिक समुद्री अभियान लोकायान-26 का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह यात्रा भारत और माल्टा के बीच गहरे समुद्री संबंधों को दर्शाती है और पोत की महत्वाकांक्षी 22,000 समुद्री मील की वैश्विक यात्रा का अहम चरण है। वैलेटा पहुंचने से पहले पोत ने स्वेज नहर को सफलतापूर्वक पार किया।

आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा बंदरगाह पर

उच्चायुक्त से पोत के कमांडिंग अधिकारी की मुलाकात

रचिता भंडारी से पोत कमांडर की भेंट

आगमन के बाद पोत के कमांडिंग अधिकारी ने माल्टा गणराज्य में भारत की उच्चायुक्त रचिता भंडारी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय नौसेना की भूमिका पर चर्चा हुई। उच्चायुक्त ने कहा कि माल्टा में आईएनएस सुदर्शिनी की उपस्थिति महासागर परियोजना की परिकल्पना का सशक्त प्रतीक है। यह समुद्री सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ जन-जन के संबंधों को भी बढ़ावा देती है।

स्कूली बच्चों से होगा संवाद

इस यात्रा के दौरान पोत का चालक दल माल्टा के सशस्त्र बलों के साथ पेशेवर बातचीत और शिष्टाचार भेंट करेगा। इससे आपसी विश्वास और सहयोग को और बढ़ावा मिलेगा। पोत पर सामुदायिक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें माल्टा में रहने वाले स्कूली बच्चों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के लिए निर्देशित "ओपन शिप" कार्यक्रम शामिल है।

कोच्चि से शुरू हुई वैश्विक समुद्री यात्रा

आईएनएस सुदर्शिनी फिलहाल अपनी यात्रा के दूसरे महीने में है। यह यात्रा 20 जनवरी 2026 को कोच्चि से शुरू हुई थी। माल्टा की यात्रा के बाद जहाज फ्रांस के तट की ओर रवाना होगा, जहां वह एस्केल आ सेट समुद्री उत्सव में भाग लेगा। इस उत्सव में वह दुनिया के कई प्रसिद्ध विशाल जहाजों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया के अभ्यास के बीच

उत्तर कोरिया ने दागी 10 मिसाइलें समुद्र में गिरीं, कोई हताहत नहीं

मिसाइलों ने 350 किमी तक उड़ान भरी

एजेंसी ▶▶ सिओल

उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर करीब 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया, जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, मिसाइलें प्योंगयांग के पास सुनान क्षेत्र से दागी गईं। इन मिसाइलों ने लगभग 350 किलोमीटर तक उड़ान भरी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि ये हथियार जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिरे और किसी नुकसान की खबर नहीं है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि उसने निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी अतिरिक्त लॉन्च की आशंका को देखते हुए पूरी तैयारी बनाए रखी है। सियोल, वॉशिंगटन और टोक्यो घटनाक्रम को लेकर सूचनाएं साझा कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन

सैन्य अभ्यास हमले की तैयारी: उत्तरी कोरिया

यह मिसाइल परीक्षण ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास 9 मार्च से 19 मार्च 2026 तक चल रहा है। इस अभ्यास का मकसद दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता और युद्धक तैयारियों को परखना बताया गया है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को हमले की तैयारी बताता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को चुनौती दी गई तो इसके भयानक परिणाम होंगे। तनाव इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों, जैसे थाड और पैट्रियट, के संभावित पुनर्स्थापन को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109